CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

Happy New year

वर्ष-14, अंक-268
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 01 जनवरी 2024

आज का विचार

जिंदगी में गिरने से कभी मत डरो, क्योंकि उड़ते वही है जो गिरने की हिम्मत रखते हैं !

सिंगल कॉलम

भाजपा में नेतृत्व परिवर्तन की ऊपर से हो सकती है शुरुआत

इंदौर। मध्यप्रदेश सहित तीन राज्यों में पिछले साल सत्ता पर काबिज हुईभाजपा में अब नेतृत्व परिवर्तन की सुगबुगाहट नजर आने लगी है। हालांकि पार्टी की आंतरिक लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत ही नए पदाधिकारियों का चुनाव किया जाएगा। देश से लेकर स्थानीय स्तर पर अध्यक्षों का कार्यकाल दूसरे दौर में चल रहा है। पार्टी में दो बार से ज्यादा अध्यक्ष बनाने का नियम नहीं है। इसलिए हो सकता है कि लोकसभा चुनाव के बाद भाजपा में सर्जरी हो, वहीं इंदौर जिले को नया अध्यक्ष भी मिलना है। जेपी नड्डा का राष्ट्रीय अध्यक्ष और वीडी शर्मा का प्रदेश अध्यक्ष का दूसरा कार्यकाल चल रहा है। पिछले साल ही इनका कार्यकाल समाप्त हुआ था और कयास लगाए जा रहे थे कि पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन हो सकता है, लेकिन सभी का कार्यकाल एक बार और बढ़ा दिया गया। चूंकि अब 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में पार्टी लग गई है, इसलिए वह किसी तरह का बड़ा बदलाव नहीं कर सकती है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि कुछ जिलाध्यक्षों को लेकर फैसला लिया जा सकता है। अप्रैल-मई में होने वाले लोकसभा चुनाव के बाद फिर कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव होना है। इसको लेकर भी पार्टी तैयारी कर रही है। फिलहाल तो मध्यप्रदेश जैसे राज्य में 163 सीटें प्राप्त करने वाली भाजपा नेतृत्व परिवर्तन करने के मूड में नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के नेतृत्व में ही लोकसभा का चुनाव लड़ा जाना है। कुछ जिलों में जहां पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा था, वहां आंतरिक सर्जरी किए जाने की खबर है। इंदौर जैसे जिले में जहां के जिलाध्यक्ष राजेश सोनकर अब विधायक हो गए हैं, वह पद खाली पड़ा है। हालांकि इस पर घनश्याम नारोलिया को प्रभारी बना रखा है। सूत्रों का कहना है कि जिलाध्यक्ष को लेकर नए नाम की घोषणा जल्द की जा सकती है। इसके लिए कई नाम कतार में हैं और अपने-अपने स्तर पर वे जिलाध्यक्ष पद के लिए लगे हुए हैं। नगर अध्यक्ष को लेकर अभी कोई फैसला नहीं होना है, क्योंकि जिस तरह से जिले की सभी सीटें भाजपा के पक्ष में आई हैं, उससे पार्टी स्थानीय स्तर पर कोई परिवर्तन नहीं करेगी।

2040 तक भारत होगा दुनिया की नंबर एक अर्थव्यवस्था, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का बयान

संबलपुर। ओडिशा में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत 2040 तक दुनिया की नंबर एक अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके लिए योजना और तैयारी की जरूरत है। भारत के नंबर एक अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए 'स्किल्ड हब' की कल्पना की गई है। इससे पूर्व धर्मेंद्र प्रधान ने ओडिशा के संबलपुर से राष्ट्रीय कौशल विकास निगम की 'स्किल्स ऑन व्हील्स' पहल के तहत कौशल रथ को हरी झंडी दिखाई। कौशल रथ 'कौशल भारत मिशन' पहल को बढ़ावा देगा। साथ ही रथ देशभर में आकांक्षी और पिछड़े जिलों से गुजरेगा। इस पहल का मकसद निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाना है। कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम युवाओं को मजबूत कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से उनके जीवन की दिशा को बदलने में सक्षम बनाता है।

ट्रॉले में पीछे से घुसी कार, दो महिलाओं की मौत वाहन चालक सहित चार घायल

मंदसौर। मंदसौर में सीतामऊ में 8 लेन मार्ग पर सोमवार सुबह दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में राजस्थान के बांसवाड़ा निवासी दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि चालक सहित चार लोग घायल हो गए। जिन्हें मंदसौर जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है। बताया जा रहा है कि आगे चल रहे ट्रॉले के टायर फूटने से पीछे से आ रही कार ट्रॉले में घुस गई। कार सवार कोटा से रतलाम की ओर जा रहे थे।

धार्मिक नगरी में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

अयोध्या में जय श्रीराम, उज्जैन में गूंजा जय श्री महाकाल

भारत में नए साल का जश्न धूमधाम से मनाया गया। देर रात तक विभिन्न पर्यटन स्थलों, होटलों, क्लब और घरों में पार्टी का आयोजन किया गया तो सुबह अयोध्या, उज्जैन, ओंकारेश्वर, शिर्डी सहित देशभर की धार्मिक स्थालों में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा और पहले दिन लोगों ने पूजा-अर्चना कर नववर्ष की शुरुआत की। एक तरफ शिमला, मसूरी, नैनीताल, जम्मू-कश्मीर, ऋषिकेश के साथ-साथ अन्य पर्यटन स्थलों पर भीड़ लगी हुई थी, वहीं अयोध्या काशी, उज्जैन, जगन्नाथ पुरी, शिर्डी सहित देश के मंदिरों में श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा। अयोध्या में जहां जय-जय श्रीराम के नारे गूंजे, वहीं उज्जैन में सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखी गई। सुबह 9 बजे तक तीन से चार लाख लोगों ने चलित भस्मारती के दर्शन किए।

मोदी कल करेंगे तमिलनाडु और लक्षद्वीप का दौरा, देंगे 21 हजार करोड़ की सौगात

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो और तीन जनवरी को तमिलनाडु और लक्षद्वीप का दौरा करेंगे। इस दौरान वह कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, मोदी दो जनवरी को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली पहुंचेंगे और भारतीदासन विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। तिरुचिरापल्ली में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री विमानन, रेल, सड़क, तेल और गैस, जहाजरानी और उच्च शिक्षा क्षेत्रों से संबंधित 19,850 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इसके बाद मोदी लक्षद्वीप के अगत्ती पहुंचेंगे, जहां वह एक सार्वजनिक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। तीन जनवरी को प्रधानमंत्री लक्षद्वीप में दूरसंचार, पेयजल, सौर ऊर्जा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों से संबंधित कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। लक्षद्वीप की अपनी यात्रा के दौरान मोदी 1,150 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। पीएम तिरुचिरापल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर नई टर्मिनल बिल्डिंग का उद्घाटन करेंगे। 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित, दो-स्तरीय नए अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल भवन में सालाना 44 लाख से अधिक यात्रियों और व्यस्त समय के दौरान लगभग 3,500 यात्रियों को सेवा देने की क्षमता है। मोदी राष्ट्र को कई रेल परियोजनाएं समर्पित करेंगे, जिनमें मदुरै से तूतीकोरिन तक 160 किमी के रेल लाइन खंड का दोहरीकरण और रेल लाइन विद्युतीकरण की तीन परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा पीएम मोदी कई अन्य आयोजनों में शामिल होंगे।

लुटेरी गैंग के सदस्यों को पकड़ने गई पुलिस उनके घर देख चौंकी

रीवा मऊगंज जिले की पुलिस ने शातिर लुटेरी गैंग के एक मुख्य सदस्य को पकड़ने में सफलता हसिल की है। पूछताछ में शातिर लुटेरे ने पुलिस के सामने चौंका देने वाले खुलासे किए हैं। आरोपी के निशानदेही पर पुलिस जब गिरोह के अन्य सदस्यों के घर पहुंची तो आरोपियों का घर देखकर पुलिस टीम की आंखें खुली की खुली रह गईं। घटना मऊगंज जिले की है। चौहना गांव निवासी रमेश कुमार सोनी अपनी बेटी के उपचार के लिए मऊगंज स्थित एक्सिस बैंक से 6 लाख रुपए निकालकर अपनी मोटरसाइकिल के डिग्गी में रखे और अपने घर की तरफ जाने लगे।रमेश सोनी जैसे ही मऊगंज स्थित पोस्ट ऑफिस के समीप पहुंचे तो मेडिकल स्टोर के सामने मोटरसाइकिल खड़ी कर दवा लेने चले गए लेकिन उनकी नजर अपनी बाइक के डिग्गी की तरफ ही थी। बदमाश मोटर साइकल में लगी डिग्गी को तोड़ने का प्रयास कर ही रहा था कि रमेश कुमार सोनी ने दौड़कर बदमाश को पकड़ लिया। इस दौरान बदमाश ने उन पर हमला कर दिया और मौके से भागने लगा। तभी वहां पर मौजूद भीड़ ने आरोपी को दबोच लिया। इसी दौरान ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मी भी तत्काल मौके पर पहुंच गए। पुलिस को देख आरोपी पैसे लेकर भागने लगा लेकिन पुलिस ने शातिर लुटेरे को पकड़ लिया उसके पास से 6 लाख रुपए से भरा बैग बरामद किया और उसे मऊगंज थाने ले आई।

नए साल पर भाजपा रहेंगे ये तीन टारगेट

नेहरू का रिकॉर्ड, एक पुराना एजेंडा और साउथ में एंट्री

नई दिल्ली । नए साल 2024 की शुरुआत हो चुकी है। इस नए वर्ष से सभी की अपनी अपेक्षाएं हैं, लेकिन देश की राजनीति (राजनीति) के लिहाज से भी यह साल बेहद अहम है। इस साल आम चुनाव होने वाले हैं, जिसके नतीजे बता देंगे कि अगले 5 साल फिर से मोदी सरकार ही रहेगी या फिर देश को नई सरकार मिलेगी। अब तक आए सर्वे बताते हैं कि फिलहाल भाजपा को अपरहैंड और पीएम नरेंद्र मोदी का जादू कायम है। हालांकि भाजपा इसके साथ ही तीन चीजों पर फोकस कर रही है, जिसके जरिए वह 2024 को यादगार बनाना चाहेगी। दरअसल 2024 के आम चुनाव में यदि भाजपा के एनडीए गठबंधन को जीत मिलती है तो यह बड़ी सफलता होगी और वह पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू के बराबर होंगे। आजाद भारत में अब तक पंडित जवाहर लाल नेहरू ही लगातार तीन बार पीएम चुने जा चुके हैं। ऐसे में पीएम नरेंद्र मोदी यदि इस बार फिर जीतकर प्रधानमंत्री बनते हैं तो वह उनके रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। वहीं भाजपा के एजेंडे की बात करें तो उसकी स्थापना के दौर से ही तीन मुद्दे उसके साथ रहे हैं। राम मंदिर निर्माण, आर्टिकल 370 हटाना और समान नागरिक संहिता। राम मंदिर निर्माण चल रहा है और 22 जनवरी को राम लला विराजमान होंगे। वहीं आर्टिकल 370 को 2019 में ही हटा दिया गया था। इस तरह से भाजपा ने अपने कोर एजेंडे में शामिल रहे तीन में से दो मुद्दे हल कर लिए हैं। समान नागरिक संहिता की अब आएगी बारी? अब समान नागरिक संहिता पर भाजपा की नजर है। उत्तराखंड में इस पर काम आगे भी बढ़ा है। अब देश भर में समान नागरिक संहिता की ओर भाजपा कदम बढ़ा सकती है। राम मंदिर और आर्टिकल 370 वाले वादे पूरे होने के बाद भाजपा के लिए काडर का उत्साह बनाए रखने के लिए जरूरी है कि कोई नया मसला आए। ऐसे में समान नागरिक संहिता उसका पुराना मसला है, जिसे आगे बढ़ाकर वह कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर सकती है। इसके अलावा भाजपा इस बार दक्षिण भारत में भी खुद को मजबूत करना चाहेगी। इसके सबसे बड़ा मौका लोकसभा चुनाव ही होगा।

दक्षिण भारत में पैठ बनाना भी होगा भाजपा का टारगेट

लोकसभा चुनाव के नजरिए से तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल अहम राज्य हैं। इनमें से केरल और तमिलनाडु में तो भाजपा काफी कमजोर रही है। ऐसे में वह चाहेगी कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में उसकी परफॉर्मेंस अच्छी रहे। इन राज्यों में उसका प्रदर्शन भाजपा को यह मौका देगा कि वह खुद को पैन इंडिया पार्टी बताने का दावा कर सके। गौरतलब है कि इन राज्यों के अलावा ओडिशा, बंगाल जैसे पूर्वी राज्यों में भी भाजपा कभी अपनी सरकार नहीं बना सकी।

प्रदेश में बसों की हड़ताल, चक्काजाम

इंदौर। साल की पहली सुबह ही बस यात्रियों के लिए बुरी रही। इंदौर सहित पूरे प्रदेश में सुबह से बसों की हड़ताल है। बस ड्राइवर्स हिट एंड रन के नए कानून के विरोध में हड़ताल पर उतर गए हैं। जो कुछ बसें चल रही थी उन्हें भी रोकने के लिए गंगवाल बस स्टैंड पर बस ड्राइवर ने बसों को सड़क पर आड़ी खड़ी कर चक्काजाम भी कर दिया। इसके कारण इंदौर सहित पूरे प्रदेश में बस यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बस ड्राइवर्स का कहना है कि हड़ताल 3 जनवरी तक जारी रहेगी, मांगें नहीं मानी जाने पर आंदोलन आगे भी जारी रहेगा।

केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में आईपीसी में किए गए बदलाव में रोड एक्सीडेंट के मामलों में भागने पर ड्राइवर के खिलाफ 5 लाख का जुर्माना और 10 साल की सजा का प्रावधान किया है। ड्राइवर्स से लेकर बस और ट्रांसपोर्ट संचालक खुलकर इसका विरोध कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर 1 जनवरी से बसों का संचालन रोकने जैसे मैसेज भी चल रहे थे, लेकिन इंदौर में किसी बस संगठन ने ऐसी घोषणा नहीं की थी। लेकिन आज सुबह अचानक बस ड्राइवर्स ने बसों की हड़ताल की घोषणा कर दी। बताया गया कि इंदौर में इस आंदोलन को धार की यूनियन के आदेश के बाद आगे बढ़ाया जा रहा है।

पुलिस प्रशासन समझाइश के लिए पहुंचा

ुबह गंगवाल बस स्टैंड पर ज्यादातर बसों का संचालन बंद रहा। जब कुछ मोटर मालिकों के दबाव में बस ड्राइवर्स बस संचालित करने उतरे तो हड़ताल कर रहे बस ड्राइवर्स ने सड़क पर बसों को आड़ा खड़ाकर पूरा रास्ता बंद कर दिया। बस ड्राइवर्स का कहना था कि बसों का संचालन नहीं होने दिया जाएगा। इसके बाद पुलिस-प्रशासन के अधिकारी यहां पहुंचे और समझाइश दी। इसके बाद बसों ने आम वाहनों के लिए रास्ता खोल दिया, लेकिन बसों का संचालन बंद रखा।

3 जनवरी तक जारी रहेगी हड़ताल

प्रदेश में हड़ताल का नेतृत्व ऑनेस्ट बस ड्राइवर्स एसोसिशन द्वारा किया जा रहा है। इसके अध्यक्ष धार के सईद खान हैं। खाने ने बताया कि केंद्र सरकार ना सिर्फ बस ड्राइवर्स बल्कि दो पहिया से लेकर बड़ी बसें और ट्रक तक चलाने वाले हर चालक के खिलाफ यह कानून लाई है। कानून में कहा गया है कि एक्सीडेंट के बाद चालक घायल व्यक्ति को अस्पताल या पुलिस थाने ले जाएगा। लेकिन अकसर एक्सीडेंट के बाद भीड़ उग्र हो जाती है और चालक को अपनी जान बचाकर भागना पड़ता है। अगर वह वहां रुकेगा तो उसकी जान को खतरा है। वहीं अगर भाग गया तो नए कानून में इसे 5 लाख का जुर्माना और 10 साल की सजा का प्रावधान किया गया है। हम बस ड्राइवर्स इसका विरोध जनजागरण के लिए कर रहे हैं, क्योंकि इस कानून का नुकसान तो हर वाहन चालक को उठाना पड़ेगा। इसके लिए कुछ केंद्रीय यूनियन के मार्गदर्शन में हम हड़ताल कर रहे हैं। अगर सरकार इसे कानून को वापस नहीं लेती है तो 3 जनवरी तक हड़ताल जारी रहेगी। इसके बाद भी सरकार नहीं मानती है तो आगे भी आंदोलन जारी रहेंगे।

मांगलिया टोल पर भी बसों का रास्ता रोका, सभी बस स्टैंड पर यात्री बेहाल

इंदौर के सभी बस स्टैंड्स पर सुबह से ही सभी बसों का संचालन पूरी तरह से बंद रहा, यही हाल आसपास के जिलों का भी रहा। एआईसीटीएसएल की भी कुछ बसें जब सुबह यात्रियों को लेकर निकली तो मांगलिया टोल पर विरोध कर रहे बस ड्राइवर्स ने बसों को आड़ा खड़ाकर रास्ता रोक दिया।

सिंगल कॉलम

विजयवर्गीय के मंत्री बनने के बाद बदले लोकसभा चुनाव के समीकरण

भाजपा महासचिव पद से इस्तीफा देने से यह तय हो चुका है कि कैलाश विजयवर्गीय अब पूरी तरह प्रदेश में सक्रिय रहेंगे। इसके बाद मालवा निमाड़ की राजनीति में लोकसभा चुनाव के समीकरण बदल गए है और सांसद शंकर लालवानी खेमा भी खुश है,क्योकि यदि विजयवर्गीय लोकसभा चुनाव की दावेदारी जताते तो फिर लालवानी की दावेदारी कमजोर हो जाती, लेकिन अब लालवानी का दावा फिर से मजबूत हो जाएगा। पिछले लोकसभा चुनाव में इंदौर संसदीय क्षेत्र से विजयवर्गीय का दावा सबसे मजबूत माना जा रहा था, लेकिन वे पश्चिम बंगाल के प्रभारी थे। लोकसभा चुनाव की व्यस्तता को देखते हुए उन्होंने इंदौर सीट से चुनाव लड़ने की दावेदारी से खुद को अलग कर लिया था। इसके बाद संगठन ने शंकर लालवानी को टिकट दिया। विधानसभा चुनाव में जब विजयवर्गीय को एक नंबर विधानसभा सीट से भाजपा ने उम्मीदवार घोषित किया। तब राजनीतिक हलकों में यह कयास लगाए जाने लगे थे कि उन्हें मुख्यमंत्री या भाजपा प्रदेशाध्यक्ष जैसा महत्वपूर्ण पद दिया जा सकता है, लेकिन दोनो ही पद विजयवर्गीय के हिस्से नहीं आए। विजयवर्गीय को कैबिनेट मंत्री बनाकर नगरीय प्रशासन विभाग सौपा गया है। विजयवर्गीय और मुख्यमंत्री मोहन यादव के बीच राजनीतिक तालमेल अच्छा है, इसलिए विजयवर्गीय ने भी प्रदेश की राजनीति में सक्रिय रहने का मन बना लिया है। मालवा निमाड़ क्षेत्र से इंदौर के अलावा खंडवा लोकसभा सीट भी सामान्य है। पिछली बार खंडवा सीट के लिए भी विजयवर्गीय का नाम चला था। 9 साल तक भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव के पद पर रहकर विजयवर्गीय ने दिल्ली की राजनीति कर ली और अब संगठन के इशारे पर प्रदेश की राजनीति में पैठ जमाएंगे। लालवानी की दोबारा दावेदारी मजबूत विजयवर्गीय के मंत्री बनाए जाने के बाद सांसद शंकर लालवानी की इंदौर लोकसभा सीट के लिए दावेदारी दोबारा मजबूत हो गई है। विजयवर्गीय के साथ लालवानी का राजनीतिक संतुलन भी अच्छा रहता है, इसलिए पिछले चुनाव में उन्होंने लालवानी के टिकट में कोई अड़चन पैदा नहीं की थी। इस बार फिर लालवानी की विजयवर्गीय मदद कर सकते है ।

कोहरे से हुई नववर्ष की शुरुआत, धुंध से नजर नहीं आ रही थीं सड़कें, ठिठुरन बढ़ी

उज्जैन सर्द हवाओं के आगोश में है। सोमवार को कोहरे के साथ हवाओं के कारण ठिठुरन बढ़ गई है। सुबह से खेल मैदान में नजर आने वाले बच्चे भी सुबह से घरों में ही दुबके हुए हैं। मौसम विभाग का दावा है कि इस सप्ताह सर्दी इसी तरह पड़ेगी।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक राजस्थान में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। हवा का रुख भी उत्तर-पश्चिमी है। यानी राजस्थान से ही सर्द हवा आ रही है। उत्तर में बर्फबारी होने के कारण भी इसका असर पड़ा। इस कारण हमारे यहां रात में ठंड बढ़ी और तापमान में लगातार गिरावट हो रही है। आपने बताया कि सर्दी के ट्रेंड के मुताबिक इस बार 14 जनवरी को संक्रांति पर भी कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं।

मां के कहने पर बेटी गई थी रिश्वत लेने, सीबीआई कोर्ट ने मां-बेटी को सुनाई चार-चार साल की सजा

मां के कहने पर बेटी रिश्वत लेने गई थी। सीबीआई ने बेटी को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ पकड़ा था। अब सीबीआई कोर्ट ने मां-बेटी को चार-चार साल की सजा तथा एक-एक हजार रुपये के अर्थदंड की सजा से दंडित किया है।अभियोजन के अनुसार लक्ष्मी सुब्रमण्यम बीएसएनएल टेलीकॉम फैक्टरी में सहायक तकनीशियन के पद पर पदस्थ थी। उन्होंने शिकायतकर्ता लक्ष्मी से अनुकंपा नियुक्ति दिलवाने के एवज में 1 लाख 40 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। इसकी शिकायत सीबीआई से की गई थी। रिश्वत की पहली किस्त 30 हजार रुपये लेने लक्ष्मी ने अपनी बेटी रितु सुब्रमण्यम को भेजा था। बेटी ने जैसे ही रिश्वत की रकम लेकर रखी। सीबीआई की टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। सीबीआई ने मां-बेटी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया था। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश आलोक कुमार सक्सेना द्वारा पेश किए साक्ष्य तथा गवाहों के आधार पर मां-बेटी को दोषी करार दिया।

इंदौरः पति ने पत्नी की हत्या कर खुद लगाई फांसी

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में पति-पत्नी की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए इंदौर के अरविंदो अस्पताल पहुंचाया है और पूरे मामले की काफी बारीकी से जांच पड़ताल की जा रही है।पूरा मामला इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र का है। बाणगंगा थाना क्षेत्र के नरवाल काकड़ पर रहने वाले पति पत्नी के शव मिले है। वही महिला कमरे में खून से सनी हुई अवस्था में मिली है। बताया जा रहा है कि जिस जगह पर या हत्याकांड की घटना सामने आई। उससे कुछ दूरी पर बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। इसी दौरान उनकी गेंद मृतक के कमरे में चली गई और जब बच्चे गेंद को लेने के लिए उसे कमरे में गए तो देखा कि वहां पर दोनों के शव पड़े हुए हैं। इसके बाद वहीं पर मौजूद कुछ लोगों ने पूरे मामले की सूचना बाणगंगा पुलिस को दी।

बाणगंगा पुलिस ने दोनों ही लाश को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए इंदौर के अरविंदो अस्पताल पहुंचाया है। प्रारंभिक

तौर पर यह बताया जा रहा है कि किसी बात को लेकर पति राम नेवले और पत्नी में वाद विवाद हुआ और उसके बाद में राम ने अपनी पत्नी पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया और इसके बाद खुद ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वही शवों को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए इंदौर के अरविंद हॉस्पिटल भी पहुंचाया है। बताया जा रहा है कि दंपति पिछले 4 सालों से बाणगंगा क्षेत्र के नरवल काकड़ में रह रहे हैं और मुख्य रूप से सिवनी छिंदवाड़ा के रहने वाले

कचरा बिनने वाली को नौकरी का झांसा देकर असलम ने किया दुष्कर्म

हिंदू महिला को कारखाने में साफसफाई के काम का झांसा देकर मुस्लिम शख्स ने अपने प्रेम जाल में फंसाकर दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं आरोपी ने महिला को अश्लील वीडियो वायरल करने की भी धमकी दी। पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी मुस्लिम युवक को गिरफ्तार कर लिया है।दरअसल, छोटी ग्वाल टोली थाना क्षेत्र में कचरा बिनने वाली महिला को काम का झांसा देकर मुस्लिम व्यक्ति ने महिला के साथ दुष्कर्म किया और उसका अश्लील वीडियो बना लिया। जिसके बाद आरोपी महिला को वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा और महिला को प्रताड़ित करने लगा। जिससे प्रताड़ित होकर महिला ने आरोपी युवक असलम के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। वही पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 376 में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही अश्लील वीडियो की बरामदगी के लिए आरोपी असलम का मोबाइल जब्त किया है। वही पूरे मामले में पुलिस जांच में जुट गई है।

इंदौर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने न्याय यात्रा को लेकर कही यह बड़ी बात

सिटी चीफ इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर निजी दौरे पर पहुंचे राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मीडिया से बात करते हुए न्याय यात्रा को लेकर कहा की पहले उत्तर से पश्चिम यात्रा नहीं कर पाए थे उसे पूरा कर रहे हैं यह यात्रा अन्याय, अत्याचार, महंगाई के खीलाफ यह यात्रा है इसमें पैदल यात्रा नहीं रहेगी कुछ शहरों में पैदल यात्रा रहेगी। शिवराज सिंह चौहान द्वारा राहुल गांधी की न्याय यात्रा को लेकर किए गए कटाक्ष का जवाब देते हुए कहा की ऐसा नहीं है। कर्नाटक जीते हम लोग तेलंगाना जीते केरला में पहले सरकार थी यात्रा के बाद तेलंगाना और कर्नाटक के चुनाव हुए वह छत्तीसगढ़ से तो निकले नही थे मध्यप्रदेश और राजस्थान से निकलें थे वहां भी जो संभावनाएं थीं उसके विपरीत चुनाव हुए। आम आदमी पार्टी और शिव सेना ने अपने राज्यों में 2024 के चुनाव में सीट शेयर करने से मना करने के सवाल पर कहा की यह मेरे लिए चर्चा

का विषय नहीं है। हमारी कांग्रेस पार्टी संपर्क में है। मध्यप्रदेश के गुना में हुए बस हादसे को लेकर कहा की बहुत बड़ा हादसा हुआ है, मैं समझता हूं की मध्यप्रदेश सरकार ने कार्यवाही की तो है और मैंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद भी दिया है। लेकिन यह क्यों हो रहा है बिना परमिट के बसे चल रही हैं बिना फिटनेस के बस चल

इंदौर में प्रदर्शन के दौरान पुलिसवालों से हाथापाई

ड्राइवरों के खिलाफ नया कानून लाने का विरोध

सिटी चीफ इंदौर

हिट एंड रन में ड्राइवरों के खिलाफ केंद्र सरकार द्वारा लाए गए नए कानून का सभी दूर विरोध हो रहा है। इंदौर में भी रविवार को ट्रांसपोर्ट कारोबारियों और ड्राइवरों ने मांगलिया स्थित आइल डिपो पर प्रदर्शन किया। इस दौरान गाड़ियां फोड़ने पर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हाथापाई हुई। शिप्रा थाना पुलिस ने हाथापाई के मामले में कुछ लोगों पर केस भी दर्ज किया है। ट्रक संचालक और ड्राइवर केंद्र सरकार द्वारा हिट एंड रन की धारा में संशोधन करने का विरोध कर रहे थे। सरकार ने धारा 304ए को गैर जमानती कर दो साल की जगह दस साल की सजा कर दी है। ड्राइवरों ने कहा कि एक्ट में

संशोधन होने से चालकों के सामने रोजी रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। उन्हें नौकरी छोड़ना पड़ेगी।नए साल से लागू होने वाले प्रविधान को लेकर ट्रांसपोर्ट उद्योग से जुड़े लोग परेशान हैं। ट्रांसपोर्टरों की परेशानी यह है कि इस कानून के कारण ड्राइवर काम छोड़ रहे हैं। पहले से ही ड्राइवरों की कमी से जुझ रहे उद्योग पर नए कानून के बाद ड्राइवर का संकट आने वाला है।

दंपति के बच्चे नहीं थे, पति ने पत्नी को गला दबाकर मारा, बाद में खुद भी लगा ली फांसी

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर के बाणगंगा इलाके में एक दंपति का शव बरामद हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पति ने पहले पत्नी की गला दबाकर हत्या की इसके बाद खुद ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शनिवार देर रात की है। सुबह मौके पर जब पुलिस पहुंची तो दोनों के शव एक साथ मिले। पुलिस ने शव पीएम के लिए भेजे हैं। पति पत्नी दोनों ही आसपास के क्षेत्रों में मजदूरी करते थे। थाना प्रभारी नीरज बिरथरे ने बताया कि बाणगंगा के नरवल कांकड़ में रहने वाले राम नेवारे (45) अपनी पत्नी रुकमनी नेवारे (44) दोनों लगभग 5 साल से इंदौर में रह रहे थे। दोनों के कोई भी बच्चे नहीं थे। इसकी कारण दंपति अकेले होने के कारण बच्चे के वियोग में रहा करते थे। कई डॉक्टरों और हाकिमों को कई बार इलाज करवाया लेकिन दोनों के घर कोई खुशियां घर नहीं आई। पुलिस ने बताया कि आसपास के लोगों ने बताया है कि शनिवार देर रात दोनों का विवाद हो गया था। बाद में विवाद इतना बढ़ गया कि राम ने अपनी पत्नी का गला दबा दिया। पत्नी को मारन के बाद राम ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पड़ोसियों के बयान के बाद पुलिस ने मृतकों के परिजन को घटना की सूचना दी है।

विजयवर्गीय के बयान पर मचा बवाल

विधायक मनोज पटेल समर्थकों ने पुतला जलाया

सिटी चीफ इंदौर

अक्सर अपने विवादित बयानों के कारण मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को परेशानी झेलना पड़ती है। इस बार उन्होंने अपनी टिप्पणी से देपालपुर विधायक मनोज पटेल के समर्थकों को नाराज कर दिया। इसके बाद समर्थकों ने विजयवर्गीय का पुतला जलाकर अपना विरोध जताया। भाजपा कार्यालय में शुक्रवार को निर्वाचित विधायकों का सम्मान समारोह रखा गया था। कैबिनेट मंत्री बनने के बाद पहली बार इंदौर आए विजयवर्गीय का भी समारोह में सम्मान हुआ। विजयवर्गीय ने पहले अफसरों को लेकर कहा कि अफसरों के भरोसे तो योजना का बंटाढार हो जाता है। वे जब भाषण दे रहे थे तभी हॉल में देपालपुर विधायक मनोज पटेल का आना हुआ। उन्हें देख

विजयवर्गीय ने अपना भाषण कुछ देर के लिए रोका और कहा- आईए मनोज जी, कुछ देर रुक कर विजयवर्गीय ने कहा कि मनोज जी जैसे लोग जीत गए। बहुत बड़ी बात है यह। विजयवर्गीय की बात सुनकर हॉल में बैठे कई पदाधिकारी हंसने लगे और तालियां भी बजा दी। विजयवर्गीय की बात से मनोज पटेल भी कार्यक्रम के दौरान असहज नजर आए। विजयवर्गीय के बयान के बाद पटेल समर्थकों ने गौतमपुरा और देपालपुर में विजयवर्गीय का पुतला जलाया। समर्थकों ने कहा कि विजयवर्गीय भाजपा के वरिष्ठ नेता है। अपनी ही पार्टी के विधायक के खिलाफ इस तरह की टिप्पणी करना उन्हें शोभा नहीं देता।

इस बार नए साल का जश्न भी अनोखा, रामरथ और भगवा रैलियों के बीच जमकर हुई आतिशबाजी

सिटी चीफ इंदौर

नए साल के स्वागत में इंदौरी इस तरह डूबे कि हर चौराहे, गली-मोहल्ले में कार्यक्रम नजर आए। रविवार होने की वजह से लोगों ने नए साल का जमकर स्वागत किया। इस बार इंदौर के लोगों ने नए साल के स्वागत में भगवा रैलियां भी निकाली। कई कालोनी, मोहल्लों में लोगों ने रामरथ सजाए और भगवा रैलियों से नए साल का स्वागत किया। इन रैलियों में जहां महिलाएं, बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए वहीं हर उम्र के लोगों ने इसमें अलग अलग जिम्मेदारी निभाई। न कोई संगठन न कोई सूचना, खुद जुट गए बंगाली चौराहे पर रहने वाले अर्जुन यादव ने बताया कि हमने आसपास की कई कालोनी के लोगों के साथ मिलकर रामरथ और भगवा रैली निकालने का आयोजन रखा। नए साल को मनाने का इससे बेहतर तरीका कोई और हो ही नहीं सकता था। हम लोगों ने खुद हर तैयारी की और महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों ने मिलकर इस आयोजन को सफल बनाया। ठीक इसी तरह स्कीम नंबर 136 में बद्री प्रसाद नागदा ने बताया कि रहवासी संघ ने मिलकर रामरथ के साथ नववर्ष मनाया और आरती कर प्रसाद वितरण किया।

होटल और फूड जोन में भी खासी भीड़ 31 दिसंबर की शाम से शहर में हर जगह उत्साह का माहौल बन गया। सराफा, 56 दुकान समेत प्रमुख बाजारों में खासी भीड़ नजर आई तो मंदिरों में दर्शन करने के लिए भक्तों की लंबी कतारें रही। फैमिली, फ्रेंड्स के साथ लोगों ने शहर के अलग-अलग होटल्स, डिस्को, फूड जोन में भी नए साल का जश्न मनाया।

मुस्तैद रही पुलिस नए साल में होने वाले आयोजनों के बीच पुलिस ने भी मुस्तैदी दिखाई। हर चौराहे प्रमुख स्थान पर पुलिसकर्मी ड्यूटी देते नजर

आए। असामाजिक तत्वों और आपराधिक प्रवृति के लोगों की धरपकड़ के लिए विशेष नाकाबंदी की गई है। इसके अलावा थाना क्षेत्रों में पेट्रोलिंग पार्टियों को भी गश्त पर लगाया गया है।

उज्जैन, बैतूल और नर्मदापुरम के कलेक्टरों सहित 10 आइएएस अधिकारियों का तबादला

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा चुनाव को लेकर मोहन सरकार ने मैदानी जमावट शुरू कर दी है। रविवार को सरकार ने उज्जैन, बैतूल व नर्मदापुरम के कलेक्टरों सहित 10 आइएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। मुख्यमंत्री, विमानन और जनसंपर्क विभाग के सचिव विवेक पोरवाल के स्थान पर संदीप यादव को सचिव एवं जनसंपर्क आयुक्त बनाया गया है। विवेक पोरवाल को प्रमुख राजस्व आयुक्त बनाया गया है, उन्हें आयुक्त भू-अभिलेख एवं बंदोबस्त ग्वालियर का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। मुख्यमंत्री के गृह जिले उज्जैन में बड़ा प्रशासनिक परिवर्तन करते हुए कलेक्टर, अपर कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त बदल दिए गए हैं। कुमार पुरुषोत्तम की जगह अब नर्मदापुरम में पदस्थ कलेक्टर नीरज कुमार सिंह उज्जैन के कलेक्टर होंगे। बैतूल कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस को गुना का कलेक्टर बनाया गया है, जबकि बीज एवं फार्म विकास निगम के प्रबंध संचालक नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी अब बैतूल के कलेक्टर होंगे। नर्मदापुरम में सोनिया मीना को कलेक्टर पदस्थ किया गया है। उन्हें शिवराज सरकार में नवगठित मऊगंज जिले का पहला कलेक्टर बनाने का आदेश जारी हुआ था, जिसे चार घंटे बाद ही निरस्त कर दिया गया था।डा. मोहन यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद से उज्जैन में बड़े प्रशासनिक परिवर्तन की अटकलें लगाई जा रही थीं। रविवार को मुख्यमंत्री ने हनुवंतिया से लौटने के बाद मुख्य सचिव वीरा राणा से चर्चा की और आइएएस अधिकारियों के दायित्व में परिवर्तन का निर्णय किया। उज्जैन नगर निगम आयुक्त रोशन कुमार सिंह को स्मार्ट सिटी भोपाल का मुख्य कार्यपालन अधिकारी और अपर कलेक्टर प्रीति यादव को आयुक्त नगर निगम जबलपुर बनाया है। जबलपुर नगर निगम आयुक्त स्वप्निल जी वानखेड़े अब आयुक्त सह संचालक संस्थागत वित्त होंगे। बैतूल कलेक्टर अमनबीर सिंह बैंस को स्थानांतरित करने का निर्णय भी पहले ही हो गया था। दरअसल, उन्हें बैतूल में पदस्थ रहते तीन वर्ष से अधिक हो गए थे और चुनाव आयोग ने 30 जून 2024 की स्थिति में जिन्हें तीन वर्ष एक स्थान पर पदस्थ रहते हो गए हैं, उन्हें 31 जनवरी 2024 के पहले हटाने के निर्देश दिए हैं। वहीं, राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी आशीष कुमार पाठक को आयुक्त नगर निगम उज्जैन बनाया गया है। उनके पास स्मार्ट सिटी उज्जैन के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का अब अतिरिक्त प्रभार रहेगा।इन्हें सौंपा अतिरिक्त प्रभारउमाकांत उमराव को राजस्व मंडल का सदस्य बनाए जाने से रिक्त हुए प्रमुख सचिव सहकारिता विभाग का प्रभार दीपाली रस्तोगी को दिया गया है। उनके कार्यभार ग्रहण करते ही अपर मुख्य सचिव स्मिता भारद्वाज इस दायित्व से मुक्त होंगी। नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के बैतूल कलेक्टर का कार्यभार संभालने पर मंडी बोर्ड के प्रबंध संचालक श्रीमन शुक्ला बीज एवं फार्म विकास निगम के प्रबंध संचालक का काम भी अतिरिक्त रूप से देखेंगे। रोशन कुमार सिंह के स्मार्ट सिटी के सीईओ का काम संभालने पर फ्रैंक नोबल ए और स्वप्निल जी वानखेड़े के आयुक्त सह संचालक संस्थागत विभाग का काम संभालने पर बक्की कार्तिकेयन इस अतिरिक्त दायित्व

केंद्रीय गृहमंत्री शाह का दौरा निरस्त

मोहन यादव खरगोन में करेंगे विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण

सिटी चीफ भोपाल।

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव खरगोन में एक जनवरी यानी सोमवार को 182 करोड़ रुपये से ज्यादा के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। इसमें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत इंदौर संभाग के 167 करोड़ रुपये की लागत के 41 विकास कार्यों, नानकौडी बैराज, झिरन्या एवं करही बैराज भगवानपुरा लागत 7.54 करोड, भीकनगांव झिरन्या मार्ग पर 5.88 करोड लागत के नवीन पुल निर्माण, कायाकल्प योजना 2.0 अंतर्गत खरगोन जिले में दो करोड़ की लागत से सड़क निर्माण का शिलान्यास लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम नवग्रह मेला ग्राउंड पर होगा। इसके अतिरिक्त वह कानून व्यवस्था और विकास कार्यों के संबंध में संभागस्तरीय बैठक करेंगे। इसके पूर्व वह जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों और अन्य गतिविधियों की जानकारी लेंगे। उल्लेखनीय है कि खरगोन से पूरे प्रदेश में साइबर तहसील व्यवस्था लागू किए जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित था, जो निरस्त हो गया है। राजस्व विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही प्रदेशस्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर साइबर तहसील व्यवस्था को लागू किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान का किया अवलोकन मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने रविवार को अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान का अवलोकन किया। संस्थान के पुस्तकालय, बैठक कक्ष, लेक्चर हाल और अन्य कक्षों के साथ ही उद्यान परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने संस्थान का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली की जानकारी ली। डा. यादव ने सुशासन संस्थान की गतिविधियों पर केंद्रित प्रस्तुतीकरण भी देखा। इस अवसर पर मुख्य सचिव वीरा राणा, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह और संस्थान के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी लोकेश शर्मा उपस्थित थे।

सहकारी समितियां चलाएंगी जन औषधि केंद्र 195 को मिली स्वीकृति, 12 को मिले ड्रग लाइसेंस

सिटी चीफ भोपाल।

खाद-बीज बेचने, गेहूं-धान का उपार्जन और उचित मूल्य की दुकान चलाने के बाद अब मध्य प्रदेश की सहकारी समितियां ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती दर पर दवा उपलब्ध कराने का काम भी करेंगी। इसके लिए जन औषधि केंद्रों का संचालन समितियों द्वारा किया जाएगा। अब तक 263 समितियां आवेदन कर चुकी हैं और 195 को केंद्र से स्वीकृति भी मिल गई है। 12 समितियों को ड्रग लाइसेंस भी मिल गया है।

जन औषधि केंद्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आमजन को सस्ती दर पर दवा उपलब्ध कराने की मंशा के अनुरूप मध्य प्रदेश में अभी 302 जन औषधि केंद्र संचालित हैं। प्रदेश में इनका विस्तार किया जा रहा है। इसकी जिम्मेदारी सहकारिता विभाग को दी गई है। विभाग ने प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ती दर पर दवाएं उपलब्ध कराने का काम अपने हाथ में लिया है। इसके लिए 263 सहकारी समितियां अब तक आगे आई हैं और उन्होंने केंद्र सरकार को जन औषधि केंद्र के संचालन के लिए आवेदन किए हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि प्रत्येक जिले में पांच केंद्र संचालित करने का लक्ष्य रखा है। 195 समितियों के आवेदन स्वीकृत हो चुके हैं और 12 समितियों को ड्रग लाइसेंस भी मिल गया है। बाकी समितियां आवेदन कर चुकी हैं। 63 समितियों ने फार्मासिस्ट नियुक्त कर दिए हैं तो बाकी में प्रक्रिया चल रही है। उज्जैन की रूपेटा समिति ने दवा खरीदने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। जन औषधि केंद्र प्राथमिक या सामुदायिक केंद्र के आसपास खोले जाएंगे, ताकि मरीजों को दवा लेने के लिए दूर न जाना पड़े। समितियां स्वयं जुटाएंगी संसाधन जन औषधि केंद्र खोलने के लिए सरकार समितियों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता नहीं देगी। उन्हें स्वयं ही संसाधन जुटाने होंगे, इसलिए अभी वे समितियां ही आगे आई हैं, जिनकी वित्तीय स्थिति अच्छी है। फार्मासिस्ट को वेतन भी दवा बेचने से जो आय होगी, उसमें से समिति द्वारा दिया जाएगा। सहकारिता के क्षेत्र में विस्तार के लिए तलाशे जा रहे हैं नए क्षेत्र

प्रदेश सरकार केंद्र की मंशा के अनुरूप सहकारिता के क्षेत्र में विस्तार के लिए नए क्षेत्र तलाश रही है। ग्रामीण परिवहन के साथ भंडार गृह, पर्यटन, जैविक खाद, जन औषधि केंद्र सहित अन्य विकल्पों पर काम किया जा रहा है। प्राथमिक स्तर पर नई समितियां बनाने के साथ प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों को भी नए क्षेत्रों

ट्रैफिक सुधार के लिए सड़कों पर घूमे अफसर

ग्वालियर शहर के ट्रैफिक को सुधारने के लिए बैठक के बाद रविवार को कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह और एसएसपी राजेश सिंह चंदेल भ्रमण पर निकले। एयरपोर्ट तिराहे से स्टेशन बजरिया तक भ्रमण किया। शनिवार को बैठक में जिन बिंदुओं पर चर्चा हुई थी, वह यहां पहुंचकर देखा। इसके बाद संबंधित विभागों को इसमें सुधार के निर्देश दिए। कलेक्टर और एसएसपी सोमवार को स्टेशन बजरिया से आगे भ्रमण पर निकलेंगे। हर दिन इस तरह अलग-अलग चौराहों का निरीक्षण किया जाएगा। कलेक्टर और एसएसपी के साथ एएसपी ऋषिकेष मीणा, नगर निगम और स्मार्ट सिटी के अधिकारी भी थे। एयरपोर्ट तिराहा एयरपोर्ट तिराहे पर ट्रैफिक आइलैंड की डिजाइन में परिवर्तन को लेकर पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को कलेक्टर ने निर्देश दिए। कलेक्टर बोले- इसे छोटा किया जाए, जिससे आसानी से ट्रैफिक निकल सके। गोला का मंदिर चौराहा जेबी मंघाराम फैक्ट्री के सामने मैदान में बसों को खड़ा किया जाने के निर्देश दिए गए।

पांच सौ एएसआइ बनेंगे उप निरीक्षक 15 दिनों में 1334 पदोन्नतियां

सिटी चीफ भोपाल।

प्रदेश भर में पांच सौ सहायक उप निरीक्षकों (एएसआइ) को पदोन्नत कर उप निरीक्षक (एसआइ) बनाया जाएगा। इनके पदोन्नति की प्रक्रिया पुलिस मुख्यालय में चल रही है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने पुलिस मुख्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर पात्र पुलिसकर्मियों को 15 दिनों के भीतर पदोन्नत करने का आश्वासन दिया था। इसके बाद लगातार पदोन्नतियां की जा रही हैं। अभी तक ज़िला बल के 298 उप निरीक्षकों को निरीक्षक, 39 सूबेदारों को रक्षित निरीक्षक, 242 प्रधान आरक्षकों को एएसआइ और 210 आरक्षकों को प्रधान आरक्षक पद पर पदोन्नति दी गई। 15 दिनों से कम समय में 1334 पदोन्नतियां विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) में विभिन्न संवर्गों (जीडी ,आर्म्स अश्वारोही, बैंड) में 67 उप निरीक्षक से निरीक्षक, 118 सहायक उप निरीक्षक से उप निरीक्षक एवं 167 प्रधान आरक्षकों को सहायक उप निरीक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया है। दो दिन पहले एडीजी स्तर के दो, आइजी स्तर के 15, डीआइजी स्तर के 18 , प्रवर श्रेणी वेतनमान में पांच आइपीएस अधिकारियों को पदोन्नत किया गया द्य इस प्रकार पुलिस में 15 दिनों में कम समय में 1334 पदोन्नतियां दी

हिट एंड रन केस को लेकर केंद्र सरकार के नए कानून के विरोध में उतरे ट्रक व बस चालक

सिटी चीफ भोपाल।

हिट एंड रन केस को लेकर केंद्र सरकार के नए कानून के विरोध में भोपाल से निकलने वाले हाइ-वे पर रविवार देर रात ट्रकों के पहिए थम गए। यात्री बसों के चालकों ने भी हड़ताल शुरू कर दी। इंदौर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम मार्ग पर जो ट्रक थे, वहां चालकों ने खड़े कर दिए। वहीं कई यात्री बसें भी चालकों ने नहीं चलाईं। नए वर्ष के पहले दिन ट्रक, यात्री बसों समेत स्कूल बसों के पहिए थमे रहेंगे। भोपाल सिटी बसें भी बंद रहेंगी, हालांकि भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड(बीसीएलएल) व निजी बस मालिकों का कहना है कि चालकों से आग्रह किया गया है कि बसों का संचालन करें। बीसीएलएल के प्रवक्ता संजय सोनी ने बताया कि सभी बस आपरेटर और चालकों को बसों का संचालन करने के लिए समझाया गया है। हमारा प्रयास है कि चालकों से बसों का संचालन कराए, जिससे लोगों को आवागन में परेशानी न हो। इधर स्कूल बस एसोसिएशन के मोहम्मद सरवर ने बताया कि हमारी तरफ से हड़ताल नहीं है। चालक देशव्यापी हड़ताल का समर्थन कर रहे हैं। कई स्कूलों के अवकाश हैं, इसलिए बसों का संचालन नहीं हो रहा है। बता दें कि आल इंडिया ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखा था, जिसमें हिट एंड रन केस को लेकर लाए गए नए कानून का विरोध किया था। साथ ही कानून को वापस लेने की मांग की थी। ट्रकों के ड्राइवर अपने

वाहन खड़े करके जा रहे हैं। यह असर देखने को मिलेगा यदि सोमवार को चालक ट्रक व बसों का संचालन नहीं कराते हैं तो इसका असर सोमवार सुबह से ही देखने को मिल जाएगा। सिटी बसें नहीं चलीं तो लोगों को आने-जाने में परेशानी बढ़ेगी। पेट्रोल-डीजल के टैंकर नहीं चले तो शहर के पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल की किल्लत होना तय है। इधर ट्रकों की हड़ताल के चलते शहर के कुछेक पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल व डीजल भरवाने वालों की संख्या बढ़ गई। एमपी नगर, शाहपुरा, न्यू मार्केट, नर्मदापुरम रोड सहित अन्य पेट्रोल पंपों पर लोगों की देर रात तक भीड़ दिखी।

नए वर्ष के पहले दिन की शुरुआत, मंदिरों में दर्शन करेंगे शहरवासी

सिटी चीफ भोपाल।

वर्ष-2023 के अंतिम दिन रविवार को शहर के मंदिरों व घरों में विशेष पूजा-पाठ,हवन,सुंदरकांड,अखंड रामायण पाठ आदि का आयोजन किया गया। राजधानी के सभी प्रमुख मंदिरों ,गुरुद्वारे,गिरजाघरों और मस्जिद में जाकर भगवान से बीते हुए साल की गलतियों के लिए क्षमा मांगी। आने वाले नए वर्ष में खुशहाली के लिए प्रार्थना की। देर रात से ही शहर में जगह-जगह नव वर्ष का स्वागत शुरू हो गया। लोगों ने एक दूसरे नए वर्ष की बधाई दीं। नव वर्ष को लोग अपने जीवन की अच्छाइयों से जोड़ते हैं। इसके लिए वह साल के पहले दिन भगवान के दर्शन करने पहुंचते हैं। वर्ष 2024 का आगाज सोमवार से हो रहा है। बिड़ला मंदिर, गुफा मंदिर, माता मंदिर सहित अन्य मंदिरों में भक्त पहुंचेंगे। राजधानी के आसपास के मंदिरों में भक्त पहुंचेंगे। जिसमें भोजपुर,सीहोर स्थित चिंतामन गणेश मंदिर व सलकनपुर स्थित मां विजयासन आदि मंदिर जाएंगे। भक्त घर-परिवार की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे। तो वहीं सकारात्मक सोच और नए संकल्प के साथ नए साल की शुरुआत करेंगे। कंकाली माता धाम में भी दर्शनार्थियों की भारी भीड़ लगेगी। यहां भी सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो जाएगा। दर्शनार्थियों के लिए जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं। भीड़ को देखते हुए परिसर में बेरिकेट्स लगाए जाएंगे।वहीं भोजपुर स्थित शिवालय में नए साल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। यहां दिन भर में तकरीबन 60 हजार दर्शनार्थी पहुंचेंगे। मंदिर के महंत पवन गिरि ने बताया कि साल के पहले दिन दर्शनार्थियों को देखते हुए गाड़ी पार्किंग, पेयजल, सुरक्षा व्यवस्था के बेहतर इंतजाम किए गए हैं। इसके साथ ही मंदिर में अभिषेक, श्रृंगार होगा। लक्ष्मीनारायण बिड़ला मंदिर वर्ष के पहले दिन पूरे दिन खुला रहेगा। मंदिर के पट सुबह से रात्रि तक दर्शनार्थियों के लिए खुले रहेंगे। मंदिर के प्रबंधक केके पांडे ने बताया कि नए साल पर मंदिर में बड़ी संख्या में दर्शनार्थी पहुंचते हैं, इसे देखते हुए मंदिर सुबह से रात्रि नौ बजे तक खुला रहेगा। आम दिनों में दोपहर में मंदिर के पट बंद हो जाते हैं। इधर नेहरू नगर स्थित महालक्ष्मी मंदिर करुणाधाम आश्रम में नए साल पर विशेष व्यवस्था की जा रही है। मंदिर के शाश्वत शांडिल्य ने बताया कि मंदिर परिसर में दो सेल्फी प्वाइंट बनाए जाएंगे। फूड जोन भी होगा। 40 से अधिक युवा आश्रम के परिधानों में रहेंगे और व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालेंगे।

साल के आखिरी दिन करीब तीन लाख भक्तों ने किए भगवान महाकाल के दर्शन

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर मंदिर में साल के आखिरी दिन रविवार को सामान्य दर्शन व्यवस्था लागू रही। श्रद्धालुओं की संख्या कम रहने से मंदिर प्रशासन ने 250 रुपये की शीघ्र दर्शन व्यवस्था को चालू रखा। दिनभर में करीब ढाई से तीन लाख भक्तों ने भगवान महाकाल के दर्शन किए।प्रशासन को उम्मीद थी कि 31 दिसंबर व एक जनवरी को 10 लाख से अधिक भक्त भगवान महाकाल के दर्शन करने आएंगे।अधिकारियों ने इसी के अनुसार दर्शन व्यवस्था तय की थी। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने भीड़ अधिक होने पर 250 रुपये की शीघ्र दर्शन सुविधा को बंद रखने के निर्देश दिए थे। साथ ही जनदबाव को देखते हुए दर्शनार्थियों को नवनिर्मित टनल एक व दो से प्रवेश देते हुए गणेश मंडपम से भगवान महाकाल के दर्शन की व्यवस्था निर्धारित की थी। हालांकि 31 दिसंबर को अनुमान के मुताबिक दर्शनार्थियों की संख्या काफी कम रही। इससे पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुसार भक्तों को दर्शन कराए गए। श्रद्धालुओं को पुराने फैसिलिटी सेंटर से कार्तिकेय व गणेश मंडप से भगवान के दर्शन सुलभ हुए। मंदिर प्रशासक संदीप कुमार सोनी ने बताया कि अगर एक जनवरी को भीड़ रही, तो नई दर्शन व्यवस्था लागू की जाएगी। रविवार जैसी सामान्य स्थिति रही तो पूर्व निर्धारित व्यवस्था को ही लागू रखा जाएगा।

संपादकीय

क्या तेजस्वी के मुख्यमंत्री बनने की जमीन तैयार हो गई है?

लोकसभा चुनाव से चंद महीने पहले जिस तरह बिहार की राजनीति में तूफान आया है उससे यह तो संकेत मिलने लगे हैं कि बिहार में जल्दी ही सत्ता परिवर्तन का खेल शुरु हो सकता है। अगर भाजपा सांसद और केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह यह कह रहे हैं कि लालू यादव 14 जनवरी से पहले तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनवा देंगे, तो इसके आसार भी नजर आने लगे हैं। आरजेडी खेमे में जबरदस्त हलचल है। विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी ने साल के आखिरी दिन लालू यादव से राबड़ी देवी के घर पर मुलाकात की। तेजस्वी ने भी अपना जनवरी के पहले हफ्ते में प्रस्तावित आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का दौरा रद्द कर दिया है। 2020 के चुनाव नतीजों को याद कीजिए। 75 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर आरजेडी उभरी थी। भाजपा को 74 सीटें मिली थीं। बाद में ओवैसी की पार्टी के पांच में से चार विधायक भी आरजेडी में शामिल हो गए और आरजेडी के कुल 79 विधायक हो गए। कांग्रेस के 19 विधायक चुने गए थे जबकि वामपंथियों के 16 विधायक। दूसरी तरफ एनडीए के साथ चुनाव लड़ने वाले जेडीयू को केवल 45 सीटों पर संतोष करना पड़ा और भाजपा को 74 सीटें मिली थीं, हालांकि अब उसके 78 विधायक हैं। तब भी तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री के सबसे पहले दावेदार थे। लेकिन नीतीश ने खुद मुख्यमंत्री बने रहने के लिए भाजपा के साथ मिलकर अपनी सरकार बनाई। यह तकलीफ लालू यादव को तब से ही रही है। लेकिन नीतीश ने मुख्यमंत्री बनने के डेढ़ साल बाद ही फिर पाला बदला, लालू यादव की इफ्तार पार्टी में शामिल हुए और तीन ही महीने बाद अगस्त 2022 में एनडीए छोड़कर फिर से आरजेडी के साथ चले गए। मुख्यमंत्री वह बने रहे और तेजस्वी यादव को 2015 की तरह उप मुख्यमंत्री के तौर पर संतोष करना पड़ा। लेकिन अगर गिरिराज सिंह की मानें तो लालू यादव पहले से ही वक्त के इंतजार में थे और चुनाव से पहले 'खेला' करने की रणनीति बना चुके थे। आरजेडी से जुड़े एक नेता का कहना है कि सियासत के खेल में लालू यादव हमेशा से नीतीश पर भारी रहे हैं। उनके कहने पर ही नीतीश ने मोदी सरकार के खिलाफ महागठबंधन बनाने की पहल की। लालू ने ही नीतीश को यह समझाने की कोशिश की कि अब वह मुख्यमंत्री बहुत रह लिए, उन्हें तो प्रधानमंत्री होना चाहिए और इसके लिए महागठबंधन ही एकमात्र रास्ता है। नीतीश ने इसके लिए खूब मेहनत की, ममता बनर्जी से लेकर सोनिया गांधी, शरद पवार, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल तक से मिले। सबको जोड़ा और इंडिया गठबंधन अब चुनाव में भाजपा को टक्कर देने के लिए तैयार है। आखिरकार 19 दिसंबर की इंडिया गठबंधन की बैठक के दौरान जब बतौर पीएम मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रस्तावित हुआ तब ये सवाल उठने लगे कि अब नीतीश क्या करेंगे। उनकी गठबंधन में क्या भूमिका होगी, क्या वे गठबंधन के संयोजक बनेंगे या फिर एक बार फिर एनडीए का रुख करेंगे। इस आशंका को 29 दिसंबर को जेडीयू कार्यकारिणी की बैठक के बाद हुई केसी त्यागी की प्रेस कांफ्रेंस ने और हवा दी, जब उन्होंने यह कह दिया कि राजनीति में न तो कोई दोस्त होता है, न दुश्मन। साथ ही उन्होंने निमंत्रण मिलने पर अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भी जाने की बात कह दी। हालांकि कार्यकारिणी की बैठक में मोदी सरकार के खिलाफ सख्त भाषा में प्रस्ताव भी पारित हुए, विपक्षी सांसदों के निलंबन पर भी मोदी सरकार के रवैये की तीखी आलोचना की गई, साथ ही नीतीश कुमार को इंडिया गठबंधन के साथ सीट शेयरिंग के लिए अधिकृत किया गया। इसके बावजूद ये अफवाहें उड़ती रहीं कि नीतीश फिर पलटी मार सकते हैं, जबकि इंडिया गठबंधन के किसी भी घटक दल के किसी भी नेता ने कभी ये बात नहीं की और न ही कोई प्रतिक्रिया दी। लेकिन नीतीश को केन्द्रीय भूमिका में लाकर बिहार के मुख्यमंत्री का ताज तेजस्वी को पहनाने की पटकथा काफी पहले से लिखी जा रही थी और यह तभी संभव था जब नीतीश की भूमिका पार्टी में और गठबंधन में और बढ़ाई जाए। हालांकि जिस तरह तेजस्वी यादव के खिलाफ ईडी के सम्मन लगातार आ रहे हैं, उससे यह तो संकेत मिल ही रहे हैं कि केन्द्र की गहरी नजर बिहार पर है और अगर तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाने की कोशिश होती है तो वह अपनी कार्रवाइयां और तेज कर सकती है। अगर बिहार विधानसभा में विधायकों की मौजूदा स्थिति पर गौर करें तब साफ हो जाएगा कि तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए कुल 243 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत के लिए 122 विधायकों की जरूरत है। आरजेडी के 79, कांग्रेस के 19, भाकपा माले के 12, भाकपा और माकपा के 4 विधायकों को मिला लें तो कुल संख्या 114 ही होती है। यानी 8 विधायकों की और जरूरत होगी। अगर एक निर्दलीय और एआईएमआईएम के एक विधायकों को जोड़ लें तब भी यह संख्या 116 ही होती है। जाहिर है, ऐसे में जेडीयू के बगैर ये संभव नहीं हो पाएगा। लालू यादव फिलहाल इसी कोशिश में हैं। और इसके लिए वह इंडिया गठबंधन की मजबूती के नए आयाम तलाशने में लगे हैं। दरअसल 19 दिसंबर को दिल्ली से लौटते वक्त लालू यादव केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की मुलाकात और झटका मटन खिलाने के सियासी बयान के बाद से ही यह कहानी शुरु हुई। तब से ही लगातार गिरिराज सिंह ऐसी भविष्यवाणियां कर रहे हैं। हालांकि इससे पहले तेजस्वी यादव भी साफ कर चुके हैं कि विमान में गिरिराज की बगल वाली सीट पर वह खुद मौजूद थे। तेजस्वी ने यह भी खुलासा किया था कि गिरिराज सिंह खुद अपने केन्द्रीय नेतृत्व से दुखी हैं और अपना टिकट कट जाने की आशंका से डरे हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह जिस तरह की राजनीति करते हैं, उससे सभी वरिष्ठ नेता परेशान हैं और पार्टी में उनकी कोई हैसियत नहीं है। पार्टी अध्यक्ष की कमान संभालने के बाद से नीतीश कुमार भी खासे सक्रिय हैं। उन्होंने यह साफ कर दिया है कि उनके और ललन सिंह के बीच कोई विवाद नहीं है और ललन सिंह लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। अब जेडीयू का विस्तार करना है और इसके लिए वह झारखंड से अपनी यात्रा भी शुरु करने वाले हैं। हालांकि जेडीयू कार्यकारिणी की बैठक में कांग्रेस को यह संदेश देने की भी कोशिश की गई कि गठबंधन में बड़ा भाई होने के नाते उसे बड़ा दिल दिखाना चाहिए और ज्यादा सीटें सहयोगियों के लिए छोड़नी चाहिए। खरगे के प्रधानमंत्री के चेहरे के तौर पर प्रस्ताव लाने पर भी फिलहाल जेडीयू ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

बरस-बतकही: चौबीस की चार सौ बीसी, देश का मूड दिखा रहे हैं चैनल

चैनल राष्ट्र का मूड दिखा रहे हैं, जिनमें यह राष्ट्र तीन दिन में सौ बार अपनी मुंडी हिलाकर कह चुका है कि मोदी फिर आ रहा है, विद गारंटी 'चार सौ' लेकर आ रहा है, अयोध्या के भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कराता हुआ आ रहा है। लेकिन कैसी विडंबना कि जिन दिनों 'मंदिर मंदिर' हो रहा था, उन्हीं दिनों 'इंडी वाले' संसद के हमलावरों को 'बेरोजगारी की अभिव्यक्ति' कहकर महिमा मंडित कर रहे थे और संसदीय नियमों को तोड़ और एवजी में संसद से निलंबन आमंत्रित कर, संसद की सीढ़ियों पर बैठ, एक सांसद द्वारा आदरणीय उपराष्ट्रपति की 'मिमिक्री' को देख ठहाके लगा रहे थे। सच! 'केष्टो मुखर्जी' फिल्मों में चल सकता है, संसद में नहीं। और अब 'इंडी विपक्ष' में इस पर हाय-हाय है कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह में राम मंदिर ट्रस्ट ने इसे, उसे बुलाया और हमें न बुलाया...कुछ कह रहे हैं कि बुलाएंगे तो जाएंगे। सेक्यूलर कह रहे हैं कि हम सेक्यूलर, हम क्यों जाएं? राम के परम भक्त एक आचार्य कह रहे हैं कि भगवान राम के जन्म का यह मुहूर्त त्रेता के बाद अब आया है...वे हिंदू को, सनातन को मिटाने की बात करते हैं। अब यह नहीं चलने का...अब हिंदू जाग गया है... कल तक जो कहानी हिंदुओं पर हंसती थी, वही अब रो रही है। एक एंकर सर्वे दिखाकर 'इंडीवालों' का पहले दिल तोड़ता है कि अगर आज चुनाव हों, तो बीजेपी/एनडीए को 330-335 सीट तक मिल सकती हैं और प्राण प्रतिष्ठा के बाद तीन-चार प्रतिशत वोट और बढ़ा समझिए। एक एंकर कटाक्ष करता है कि 224 सीटों पर तो बीजेपी ने पहले से ही 50 प्रतिशत वोट लिए हैं यानी ये सीट तो कहीं गई नहीं, फिर 'इंडी' में जैसे 'समूराई' हैं, वे तो सभी 'पीएम' बनने के लिए जी रहे हैं। जरा देखिए तो, दो समुराइयों ने एक का नाम आगे कर दिया, तो बिहार भर का मुंह सूज गया, क्योंकि जिस बंदे ने 'इंडी' का 'आइडिया' दिया, उसी को बाकियों ने 'भिंडी' बना दिया! सच कहूं, तो चौबीस के लिए आम जनता वोट दे चुकी है। बहस है, तो इस पर कि एनडीए कितनी सीटों से जीत रहा है और इंडी के 'समूराई' कितनी सीटें बचा पा रहे हैं। और, यही बात बोर करती है। अभी पांच महीने और बोर होना है। तो भी, हमारी हमदर्दी 'इंडी' वालों के साथ है, लेकिन हम भी क्या करें, ज्यादातर 'इंडी' वाले अभी तक अपनी 'सुस्ती' में ही 'मस्त' हैं। हां एक कुंवर जी अवश्य 'पूरब से पश्चिम' करने जा रहे हैं, जबकि चुस्त-चौकस एनडीए वाले' अभी से हर सीट, हर बूथ और माइक्रो बूथ तक की तैयारी में जुटे हैं! यों, कुछ पहले इन्हीं कुंवर जी ने 'दक्षिण से उत्तर' तक मुहब्बत की पैदल दुकान चलाई थी, लेकिन जैसे ही पिछले पांच राज्यों के चुनावों में से तीन बड़े राज्यों में बीजेपी ने 'इंडी' का सूपड़ा साफ किया, त्यों ही इंडी वालों ने 'उत्तर दक्षिण' करना शुरू कर दिया। तय मानिए कि कुछ दिन बाद कुछ लोग 'पूरब बरक्स पश्चिम' को आपस में लड़वाने के चक्कर में होंगे। इधर भाजपा 2024 के लिए हर बूथ पर अपना झंडा गाड़ती दिखेगी, उधर विपक्षी सिर्फ 'लेफ्ट राइट' करते दिखेंगे और फिर क्रंदन करते दिखेंगे कि 'हाय ईवीएम', 'हाय चुनाव आयोग', 'हाय सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग', 'हाय अदाणी, हाय अदाणी' हाय हाय...! एक आफत हो, तो कहें। 'इंडी' के पास अभी तक न 'चेहरा' है, न 'सीट आबंटन' है, न बीजेपी व संघ के सघन हिंदुत्ववादी 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' की काट करने वाला कोई पॉपुलर विकल्पी नारा है, न मोदी जैसा आत्मविश्वासी, भविष्यवादी नेता, न मोदी जैसा गारंटीशुदा राजनीतिक आख्यान; नेरेटिव है, जिस पर रीझकर आम जनता 'इंडी' को अपना वोट डाल दे। इधर भाजपा-संघ का 'एकचालकानुवर्तते', उधर 'इंडी' की अधबनी रसोई में अट्ठाईस रसोइए! इधर एक फैसला, एक देवता, उधर दो दर्जन से अधिक देवता और 'नो फैसला' या 'स्लो फैसला। इधर अयोध्या का भव्य राम मंदिर और अब मथुरा, काशी का एजेंडा, उधर राम विरोधी, मंदिर विरोधी, कारसेवकों के हत्यारे, सनातन को मिटाने वाले, गौमूत्र क्षेत्र को हेय कहने वाले और हिंदी वालों को दक्षिण का 'मेहतर' कहने वाले नफरतिये... इस आत्मघृणावादी 'उपनिवेशी मानसिकता' के विरुद्ध ही संघ का 'हिंदुत्ववादी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' जन स्वीकृति पाता है। 'इंडी' विपक्ष इसे जितना ठोकता है, उतना ही यह हमदर्दी पाकर बढ़ता जाता है! 2024 के चुनाव को भाजपा से भी पहले, यही 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' लड़ रहा है और हर चुनाव के बाद यह घनीभूत हो रहा है। इसीलिए इसकी हर आलोचना इसे और अधिक 'स्वीकार्य' बनाती है। विपक्ष 'सांस्कृतिक राजनीति' की इस 'गूढ़ व्यंजना' को समझ ही नहीं सकता, इसलिए उसकी हर चोट अब आम हिंदू को और अधिक एकजुट करती है। 'इंडी' की संरचनात्मक मुसीबतें भी कम नहीं = एक तो जितने नेता, उतने पीएम, अट्ठाईस देवता, अट्ठाईस अहंकार, सब की अपनी-अपनी बात, ऊपर से साथ, अंदर से घात! जो, कल तक एक-दूसरे के दुश्मन थे, अब एक-दूसरे के वकील बनकर 'दोष' को भी 'गुण' बताते हैं। 2024 के बाद इनके बीच कैसी 'तू तू मैं मैं' होगी, इसकी कल्पना सहज ही की जा सकती है। फिर 'इंडी' के उथले पानी में कांग्रेस रूपी बड़ी मछली, दूसरी छोटी मछलियों को कब निगल ले, इसकी फिक्र अलग! तिस पर अपने कुंवर जी का 'जाति गणना' का आत्महंता राग और यह तक न समझ पाना कि जाति आधारित हर आरक्षण अंतत: 'हिंदुत्व' के 'महाकाय' को ही मजबूत करेगा! मंडल के बाद यही हुआ और 'मंडल-2' हुआ, तो फिर इसी 'हिंदू कमंडल-2' का शंख और जोर-शोर से बजेगा। मोदी युग के बीते दस बरस में और कुछ हुआ हो या न हुआ हो, इतना जरूर हुआ है कि कभी न बोलने वाला 'हिंदू' अब बोलने लगा है। चालू 'ग्लोबल हिंदूफोबिया' के दौर में आम हिंदू को हिंदुत्व में अपना भविष्य दिखने लगा है। विपक्ष इसे 'बहुसंख्यकवाद' कहकर लाख कोसे, जनतंत्र बहुसंख्या' से ही चलता है। इसलिए जब तक अपनी राजनीति में, 'सांस्कृतिक राजनीति' का 'हिंदू अखाड़ा' खुला है, तब तक हिंदुत्व से सिर्फ हिंदुत्व ही जीत सकता है! यही चौबीस की चार सौ बीसी है।

साल-दर-साल-सीजन के सौदागर आते रहेंगे समाधि की 'उस' स्थिति से बचना है मुश्किल

साधारण चीजों को जटिल बना देना आम बात है, जटिल को सरल बना देना कला है। वाइल्ड ने ही कहा है, हमारे तमाम आधुनिक कैलेंडर हमारी जिंदगी की खूबसूरत सादगी को भंग कर देते हैं - यह याद दिलाकर कि हर दिन जो गुजरता है, वो किसी बेहद बेस्वाद वाकये की 'एनीवर्सरी' है। जब साल जाने लगता है तो आप अचानक या तो भावुक हो उठते हैं या चिंतित। अलबत्ता लोगों में यह बताने का चलन है कि इस साल में जो न हुआ आते साल में होना तय है। कुछ लोग भय और आशंकाओं के मैन्यू तैयार करते हैं गोया यही भविष्य के रेस्टोरेंट में मिलने वाला है। कई तो उसमें से चुनाव भी कर लेते हैं कि कौन सी कम तकलीफदेह 'डिश' ज्यादा मुफीद होगी। मजा यह है कि रेस्टोरेंट भी उन्हीं का, शेफ भी वही और ग्राहक भी वही। यह अपने आप में बड़ी मुसीबत है कि आप समाधि की इस स्थिति में पहुंच जाएं - जहां आप ही बनाएं, आप ही खाएं, आप ही बिल चुकाएं और आप ही बजट के घाटे पर अर्थशास्त्रियों को ज्ञान भी दें। मगर लोग हैं कि हर बार इसी मुसीबत को मुहब्बत कर बैठते हैं। इसका फायदा 'सीजन के सौदागर' उठाते हैं। यह साल ऐसे सौदागरों की चांदी का साल था। आप जानते हैं - सीजन के सौदागर का कोई एक धंधा नहीं होता। जिस मौसम में जिसकी मांग होती है, वही चीज खड़ी कर देते हैं। कंस के दिनों में कंस की, कृष्ण के दिनों में कृष्ण की। यहां तक कि स्कूलों के वार्षिक उत्सव के दिनों में फैंसी ड्रेसों के किराए का धंधा भी चला लेते हैं। अगर कत्ल होने लगें तो वे चाकू बेचना शुरू कर दें, शांति में मुनाफा ज्यादा हो तो कबूतर बेचने का बोर्ड लगा दें। पिछले साल जाते-जाते हमने दो शब्दों पर बात की थी, जो उस साल के सबसे ज्यादा प्रतीकात्मक शब्द बन गए थे - गैस लाइटिंग और मून लाइटिंग। पहले का अर्थ था कि किसी को गलत न होते हुए भी उसे गलत होने का अहसास दिला देने की चालाकी, और दूसरे का अर्थ था - पूरी तनख्वाह एक जगह लेकर गुपचुप दूसरी जगह से भी कमाई पीट लेना। दोनों में बेईमानी और बेईमानी की स्वाभाविक नैतिक जरूरत पर पर्याप्त कागज रंगे गए थे। अब बात कुछ आगे बढ़ गई है। इस साल ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने साल का शब्द घोषित किया है अहा! सीजन के सौदागर अति प्रसन्न हैं। यह परिस्थिति के अनुसार रिश्ते बना लेने का प्रतिज्ञाविहीन समय है जब आप अपने 'रिज़' का इस्तेमाल किसी लूट के लिए कर लें और 'एआई' को प्रॉम्प्ट दे दें कि चलो अब एक नया चमत्कारिक धोखा खड़ा करते हैं। वेबस्टर डिक्शनरी में इसीलिए इस साल दो दूसरे शब्द 'ऑथेन्टिक' (प्रामाणिक) और 'डीप फेक' टॉप पर हैं। जब सबसे ज्यादा 'डीप फेक' यानी असली लोगों के झूठे वीडियो बनने लगें तभी हमें प्रामाणिकता की प्यास भी उतनी ही शिद्दत से सताने लगती है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे हमारी चिंताएं बढ़ चली हैं और प्रामाणिकता की पवित्रता को हम ज्यादा समर्पित होते चले जा रहे हैं। सीजन के सौदागर हमेशा आपकी चिंता और आपकी प्यास दोनों को समझते आए हैं। तो इस साल क्या खास हुआ? ध्यान से देखिए इस साल कुछ ज्यादा ही खास हुआ। पहले सीजन के सौदागर मांग के हिसाब से दुकान का माल बदल दिया करते थे। कत्ल का सीजन तो चाकू और शांत सीजन तो कबूतर। अब वे एक ही दुकान में दो काउंटर बना कर दोनों एक साथ बेचने लगे हैं। और तो और, पड़ोस में ही एक 'बहस-बार' भी चलाते हैं जहां पहले दोनों काउंटर के दोनों के जियाले एक-दूसरे के खिलाफ बोलते हैं। इस तरह से एक सीजन में तीन सीजन की कमाई खड़ी होती है और निरपेक्षता का डिविडेंड अलग से मिल जाता है। इंस्टाग्राम-यूट्यूब इकनॉमी में सच और झूठ दोनों कमाते हैं। देखने वाला भी, दिखाने वाला भी! दोनों एक ही कंपनी के राजा चलाते हैं, इसलिए लाभ एक ही जेब में जाता है। तभी तो आतंकी संगठन भी अपने नाम में 'पीस', 'पॉपुलर' और 'सर्वजन' जैसे शब्द डालते हैं या भले लोग अपनी भलाई के विज्ञापन के लिए सोशल मीडिया मैनेजरों की फौज पर कुर्बान हुए जाते हैं। इसीलिए संदीप वांगा ने जब अपनी कुख्यात फिल्म एनीमल के खिलाफ टिप्पणियां पढ़ीं तो कहा, 'ये दस-पंद्रह जोकर हैं जो मेरे काम को मर्दवादी, स्त्रीद्वेषी कह रहे हैं।

बाबा महाकाल का आशीर्वाद लेकर भक्तों ने की नववर्ष की शुरुआत, भस्म आरती में पहुंचे लाखों श्रद्धालु

दुनियाभर में नए साल के पहले दिन की शुरुआत लोग अलग-अलग अंदाज में करते हैं, लेकिन धार्मिक नगरी उज्जैन में श्रद्धालु हर नए काम की शुरुआत बाबा महाकाल के चरणों का आशीष लेकर करते हैं। साल के पहले दिन लाखों भक्तों ने महाकाल मंदिर में जाकर भक्तिभाव मे लीन होकर नववर्ष की शुरुआत की। यहां नववर्ष के पहले दिन मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं ने चलित भस्म आरती में बाबा के दिव्य दर्शन किए। बाबा का आशीर्वाद लेकर नए साल की शुरुआत कर सफलता और सुख शांति की प्रार्थना की। भूतभावन बाबा महाकाल को कालों का काल कहा जाता है, इसलिए वे काल के अधिष्ठाता हैं, लिहाजा नया साल अच्छा बीते, इसी कामना के साथ लाखों भक्त बाबा महाकाल के दरबार से नए साल की शुरुआत करते दिखाई दिए। इस अवसर पर श्रद्धालुओ को नए साल का जश्न मनाने का मौका भी मिल गया। वैसे नववर्ष के अवसर पर महाकाल मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए महाकाल मंदिर में दर्शनार्थियों को चलित भस्म आरती के रूप में बाबा महाकाल के दर्शन करवाए गए। दुनियाभर में नए साल के पहले दिन की शुरुआत लोग अलग-अलग अंदाज में करते हैं, लेकिन धार्मिक नगरी उज्जैन में श्रद्धालु हर नए काम की शुरुआत बाबा महाकाल के चरणों का आशीष लेकर करते हैं। साल के पहले दिन लाखों भक्तों ने महाकाल मंदिर में जाकर भक्तिभाव मे लीन होकर नववर्ष की शुरुआत की। यहां नववर्ष के पहले दिन मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं ने चलित भस्म आरती में बाबा के दिव्य दर्शन किए। बाबा का आशीर्वाद लेकर नए साल की शुरुआत कर सफलता और सुख शांति की प्रार्थना की। भूतभावन बाबा महाकाल को कालों का काल कहा जाता है, इसलिए वे काल के अधिष्ठाता हैं, लिहाजा नया साल अच्छा बीते, इसी कामना के साथ लाखों भक्त बाबा का आशीर्वाद लेकर नए साल की शुरुआत करते दिखाई दिए। इस अवसर पर श्रद्धालुओ को नए साल का जश्न मनाने का मौका भी मिल गया। वैसे नववर्ष के अवसर पर महाकाल मंदिर में दर्शनार्थियों की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए महाकाल मंदिर में दर्शनार्थियों को चलित भस्म आरती के रूप में बाबा महाकाल के दर्शन करवाए गए। गर्म जल से स्नान फिर हुआ पंचामृत पूजन भगवान महाकाल के दरबार में नववर्ष की सुबह भस्म आरती से पहले भगवान महाकाल को गर्म जल से स्नान कराया गया। इसके बाद दूध, दही, शहद, शक्कर और फलों के रस से भगवान का पंचामृत पूजन हुआ। भगवान महाकाल को पूजन के बाद सूखे मेवे और भांग से सजाया गया। राजाधिराज भगवान महाकाल ने नववर्ष की सुबह आकर्षक स्वरूप में दर्शन दिए। इसीलिए की जाती है भस्म आरती श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित आशीष गुरु ने बताया कि महाकाल की विभिन्न पूजाओं तथा आरतियों में भस्म आरती का अपना अलग महत्व है। यह अपने तरह की एकमात्र आरती है जो विश्व में सिर्फ महाकालेश्वर मंदिर उज्जैन में ही की जाती है। हर शिवभक्त को अपने जीवन में कम से कम एक बार भगवान महाकालेश्वर की भस्म आरती में जरूर शामिल होना चाहिए। भस्म आरती भगवान शिव को जगाने, उनका श्रृंगार करने तथा उनकी प्रथम आरती करने के लिए किया जाता है। यह आरती प्रतिदिन सुबह चार बजे भस्म से की जाती है। इसके दौरान सुबह चार बजे भगवान का जलाभिषेक किया जाता है। इसके बाद श्रृंगार और उसके बाद ज्योतिर्लिंग को भस्म से सराबोर कर दिया जाता है। शास्त्रों में चिता भस्म अशुद्ध माना गया है। चिता भस्म का स्पर्श हो जाये तो स्नान करना पड़ता है परन्तु भगवान शिव के स्पर्श से भस्म पवित्र होता है क्योंकि शिव निष्काम हैं। उन्हें काम का स्पर्श नहीं है। अनादिकाल से ही महाकाल मंदिर में भस्म रमाने की परंपरा चली आ रही है। आज सुबह भी बाबा महाकाल की महापूजा की गई, जिसमें पंचामृत पूजन, केसर युक्त जल से स्नान, भांग मावे का श्रृंगार और फिर भस्म रमाकर नववर्ष का यह पर्व धूमधाम से बनाया गया

बॉलीवुड सेलेब्स ने खास अंदाज में दी नए साल की बधाइ

बिग बी से लेकर कटरीना कैफ तक ने किया विश

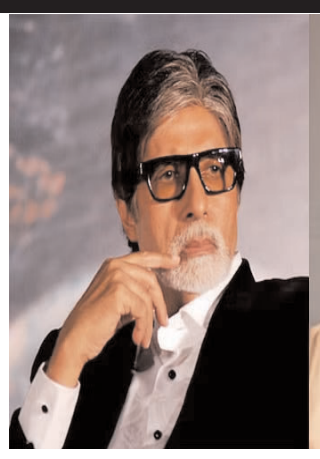

साल 2024 का आगाज हो चुका है। दुनियाभर में लोग एक-दूसरे को नए साल के जश्न की बधाई और शुभकामनाएं दे रहे हैं। वहीं सिनेमा जगत के सितारें भी अपने चाहने वाले फैंस को नए साल की बधाई दी है। मेगा स्टार अमिताभ बचन से लेकर अनिल कपूर, अजय देवगन, वरुण धवन समेत इंडस्ट्री के तमाम स्टार्स ने अपने फैंस को नए साल की बधाई दी है। गौरतलब है कि फिल्म इंडस्ट्री के लिए साल 2023 धामकेदार रहा है। नए साल में भी फिल्मी जगत के सितारें ऐसे ही करिश्में की उम्मीद कर रहे हैं।

अमिताभ बचन ने दी शुभकामनाएं

मेगा स्टार अमिताभ बचन ने अपने फैंस को नए साल की बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, वर्ष नव, हर्ष नव; जीवन उत्कर्ष नव। वहीं, अनिल कपूर ने साल 2023 का एक रीकैप वीडियो शेयर कर फैंस को नए साल की बधाई दी। अजय देवगन ने अपनी फैमली के साथ छुट्टियों की तस्वीर साझा कर प्रशंसको को हैप्पी न्यू ईयर कहा।

इन सितारों ने दी बधाई

कैटरीना कैफ ने भी अपने फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दीं। वहीं, वरुण धवन ने अपनी पत्नी नताशा के साथ न्यू ईयर के जश्न की एक तस्वीर साझा कर फैंस को हैप्पी न्यू ईयर कहा। प्रीति जिंटा, पूजा भट्ट, सेलिना जेटली समेत कई बॉलीवुड एक्ट्रेस ने अपने प्रशंसको को नए साल की शुभकामनाएं दी है।

पुलिस की इस फिल्मी स्टाईल चेतावनी पर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने किया रिएक्ट

नए साल का आगाज हो चुका है। रातभर जश्न मनाकर लोगों ने साल 2024 का स्वागत किया। अब दुनियाभर में लोग एक दूसरे को नए साल की बधाई दे रहे हैं। इंडस्ट्री के सितारें अपने फैंस को सोशल मीडिया के माध्यम से नए साल की बधाई दे रहे हैं, इसी दौरान एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा के इंस्टाग्राम स्टोरी ने लोगो ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने अपने हैंडल से दिल्ली पुलिस का एक पोस्ट शेयर किया, जो 31 दिसंबर के जश्न को लेकर लोगों को फिल्मी अंदाज में चेतावनी दे रहा था। इसके बाद से दिल्ली पुलिस के इस पोस्ट की खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, साल 2023 में एक्शन फिल्मों ने खूब धमाल मचाया। इन फिल्मो को दर्शकों ने खूब पसंद किया गया, जाहिर इन दर्शकों में से कई लोग ऐसे भी होते है, जिनके अंदर फिल्मी कीड़ा रहता है और फिल्म खत्म होने के बाद भी उसका असर उन सवार रहता है। वह उसे दोहराने या उसी तरह का मौहाल बनाने लगते हैं, इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली पुलिस ने इन लोगों को उसी अंदाज में चेतावनी दी, जो भाषा ये समझते हैं। दिल्ली पुलिस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से मजाकियां अदाज में एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने साल 2023 में रिलीज हुई चर्चित फिल्मों का जिक्र किया। इस पोस्ट में लिखा था, नए साल की पूर्व संध्या पर मस्त में रहने का, लेकिन जरा हटके जरा बचके, अगर एनिमल बनके बवाल या नॉन स्टॉप धमाल मचाया तो कहीं ऐसा ना हो 2024 का पहला दिन अपनी द ग्रेट इंडियन फैमिली के बजाये इंडियन पुलिस फोर्स के साथ मनाना पड़े। इस पोस्ट के कैप्शन में दिल्ली पुलिस ने यह भी लिखा, सैम बहादुरी इसी में है कि सेफ्टी को भगवान भरोसे मत रखो.. आखिरकार, आप भी किसी का भाई, किसी की जान हो! इस मजेदार और दिलचस्प पोस्ट ने शेरशाह अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा का ध्यान खींचा और उन्होंने इसे अपने फैंस के साथ शेयर कर लिखा सैवेज।

छोटे नवाब इब्राहिम के साथ न्यू ईयर सेलिब्रेट करती

कैमरा देख छुपाया चेहरा

बी-टाउन में सेलेब्स और उनके बचों के लिए किसी भी बात को राज रखना काफी मुश्किल है, खासकर उनकी डेटिंग लाइफ के बारे में। अब इब्राहिम अली खान की पलक तिवारी को डेट करने की खबर आग की तरह फैल गई है। हाल ही में, दोनों कपल को मुंबई में एक साथ घूमते हुए देखा गया था। दोनों की यह तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। साल के आखिरी दिन को हर बी-टाउन सेलेब्स ने बेहद खास अंदाज में सेलिब्रेट किया है। अब वायरल हो रही एक वीडियो में इब्राहिम अली खान और पलक तिवारी को एक ही कार के अंदर एक साथ देखा गया। जैसे ही पैपराजी ने उन पर स्पॉटलाइट डाली दोनों ही सेलेब्स कैमरों से अपना चेहरा छिपाते नजर आए। क्लिप में कपल को अपने ड्राइवर और एक करीबी दोस्त के साथ एक नीली लक्जरी कार के अंदर बैठे देखा गया है। एक तरफ, जहां सैफ अली खान के बेटे ने ब्राउन रंग की जैकेट पहनी हुई थी, वही उनकी कथित प्रेमिका पलक को ब्लैक ड्रेस में देखा गया था। यह पहली बार नहीं है जब इस कपल को एक साथ देखा गया हो। उन्हें पार्टियों, संगीत कार्यक्रमों और डिनर डेट पर भी एक साथ देखा गया है। पिछले दिनों करण जौहर के शो कॉफी विद करण 8 के पिछले एपिसोड में अभिनेता सैफ अली खान से पूछा गया था कि क्या उनके पास पूर्व पत्नी अमृता सिंह के साथ उनके बड़े बेटे इब्राहिम अली खान के पास आने वाली महिलाओं के लिए कोई राय है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सैफ ने कहा कि उन्हें सिंगल रहना चाहिए। मेरी राय कोई मायने नहीं रखती। कोई नहीं सुन रहा। हालांकि, कुछ सलाह मांगते हैं तो मैं दे देता हूं। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुछ समय पहले इब्राहिम ने करण जौहर के साथ फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया था। दूसरी ओर, अभिनेत्री पलक तिवारी को कई संगीत वीडियो में देखा गया है।

जॉन अब्राहम ने मुंबई के खार में खरीदा शानदार बांग्ला

इतने करोड़ रुपये में अभिनेता ने किया सौदा

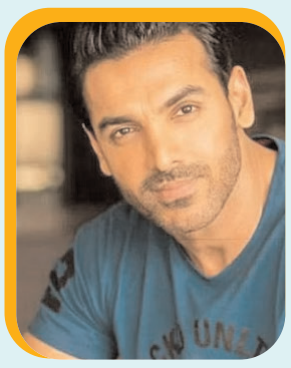

बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम शानदार अभिनेता-निर्माता होने के साथ-साथ एक अछे बिजनेसमैन भी हैं। उन्हें बिजनेस की समझ रखने वाला माना जाता है। जॉन अब्राहम इंडियन फुटबॉल लीग में एक स्पोर्ट्स टीम के भी मालिक हैं। अब खबरें आ रही हैं कि जॉन अब्राहम ने खार में 75 करोड़ रुपये का बंगला खरीदा है। यह संपत्ति लिंकिंग रोड में स्थित है।

अभिनेता ने खरीदी शानदार संपत्ति जॉन अब्राहम का कार्यालय भी एक आकर्षक बांद्रा बंगले में स्थित है और यह उनकी दूसरी खरीद है। जॉन की यह संपत्ति खार, लिंकिंग रोड पर 372 निर्मल भवन है, जो एक ग्राउंड के साथ दो मंजिल के साथ आता है। कहा जा रहा है कि अभिनेता ने 27 दिसंबर को 75 करोड़ रुपये के समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। स्टांप ड्यूटी के तौर पर अभिनेता ने 4.25 करोड़ रुपये अतिरिक्त चुकाए गए।

रियल एस्टेट में भी कर चुके हैं निवेश उन्होंने अभी तक इस खरीदारी की खबर की पुष्टि नहीं की है। वे पहले से ही बांद्रा में एक आलीशान अपार्टमेंट के मालिक हैं। उनका घर दो फ्लैटों को एक साथ मिलाकर दो मंजिलों पर डिजाइन किया गया है। इसमें एक निजी छत भी है, जहां से अरब सागर का नजारा दिखता है। जॉन अब्राहम उन बॉलीवुड हस्तियों में से एक हैं, जिन्होंने रियल एस्टेट में भारी निवेश किया है। 2009 में उन्होंने एक पारसी परिवार रतनशास से पेटिट स्कूल के पास यूनियन पार्क में एक प्रमुख भूखंड खरीदा था।

जॉन का फिल्मी करियर वहीं बात करें जॉन अब्राहम के फिल्मी करियर की तो साल 2023 उनके लिए काफी अछा था। उन्होंने पठान में शाहरुख खान के साथ काम किया था, जिसमें उन्होंने नकारात्मक किरदार निभाया। फलम ने दुनियाभर में बॉक्स ऑफिस पर एक हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की कमाई की थी। जॉन के किरदार जिम को साल का सर्वश्रेष्ठ नकारात्मक किरदार माना गया।

वर्ष 2024 में बिग बजट फिल्मों से गुलजार होंगे थिएटर, अजय-अक्षय या प्रभास किसके सिर सजेगा ताज?

वर्ष 2023 हिंदी और साउथ दोनों इंडस्ट्री की फिल्मों के लिए बेहद शुभ साबित हुआ। शाहरुख खान की पठान, जवान और डंकी तीनों फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफलता का परचम लहराने में सफल रहीं। साथ ही सनी देओल की गदर 2, रणबीर कपूर की एनिमल, रणवीर सिंह और आलिया भट्ट की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी ने भी बंपर कमाई की। इसके साथ ही रजनीकांत की जेलर समेत प्रभास की सलार ने भी विश्वस्तर पर अपना लोहा मनवाया। वहीं, वर्ष 2024 में भी कई बड़े स्टार्स की बहुप्रतीक्षित फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इनमें अक्षय कुमार, अजय देवगन, ऋतिक रोशन समेत प्रभास तक की बिग बजट फिल्में शामिल हैं।

साल के अंतिम दिन रहा सलार-डंकी का भौकाल

रणबीर कपूर एनिमल ने भी छापे नोट

साल का आखिरी महीना दो फिल्मों के लिए काफी अछा साबित हुआ है। दिसंबर के महीने में रिलीज हुई डंकी और सलार बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा कायम किए हुए है। दोनों ही फिल्मों को ऑडियंस का शानदार रिस्पॉन्स मिला है। शाहरुख खान की फिल्म फैमिली ऑडियंस देखना पसंद कर रही है। वहीं, युवाओं को मारधाड़ से भरपूर प्रभास की फिल्म पसंद आ रही है। इन दो फिल्मों के अलावा रणबीर कपूर की एनिमल भी साल के अंत में दर्शकों की भीड़ जुटाने में कामयाब रही है। आइए जानते हैं कि साल के आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर रविवार को फिल्मों ने कैसा प्रदर्शन किया है। बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान के लिए यह साल काफी अछा रहा है। अभिनेता की फिल्म पठान, जवान के बाद अब डंकी दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाने में कामयाब रही है। शाहरुख खान की फिल्मों को फैमिली ऑडियंस देखना काफी पसंद करती है। अभिनेता भी अपने हर सफल प्रयास से अपने फैंस का मनोरंजन करते हैं। बात करें फिल्म की कमाई की तो डंकी ने रिलीज के 11वें दिन और साल के अंतिम दिन 12.00 करोड़ रुपये की कमाई की है। फिल्म ने अब तक 188.22 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है। फिल्म सिनेमाघरों में मजबूती से टिकी हुई है। प्रभास की सलार भी टिकट खिड़की पर अछा प्रदर्शन कर रही है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिका में नजर आए हैं। साउथ के साथ हिंदी दर्शकों से भी फिल्म को अछा रिस्पॉन्स मिला है। प्रभास के दमदार कमबैक की हर कोई तारीफ कर रहा है। बात करें फिल्म की कमाई की तो सलार ने 10वें और साल के अंतिम दिन 14.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म ने अब तक 344.67 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया है। सलार जल्द ही ब्लॉकबस्टर होने की तरफ तेजी से आगे बढ़ रही है। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी एनिमल बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर घोषित हो चुकी है। फिल्म की कहानी और रणबीर कपूर की दमदार परफॉर्मेंस ने दर्शकों को सिनेमाघरों की तरफ खींच ही लिया है। आलम यह है कि सलार और डंकी के आगे एनिमल भी मजबूती से टिकी हुई है।

घर से बेघर होते ही नील ने की बिग बॉस 17 के विनर की घोषणा!

पत्नी के एक्स के दावों पर भी दी प्रतिक्रिया

बिग बॉस 17 किसी न किसी वजह से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। शो में आए दिन घरवालों के बीच घमासान देखने को मिलता है। अब बिग बॉस ने हाल ही में, डबल एविक्शन से अपने दर्शकों को भी काफी हैरान कर दिया है। बिग बॉस 17 में कल रात पहला डबल एविक्शन देखा गया। यह नील भट्ट और रिंकू धवन ही थे जिन्होंने सलमान खान द्वारा होस्ट किए जाने वाले रियलिटी शो को अलविदा कह दिया है। अब बाहर आते ही नील ने बिग बॉस 17 के विनर का नाम भी घोषित कर दिया है। शुरू से ही रिंकू और नील दोनों ने अछा रुख बनाए रखा। पिछले हफ्ते नील की पत्नी ऐश्वर्या शर्मा भट्ट घर से बेघर हो गई थीं और अब नील के बाहर निकलने के बाद अभिनेता ने कई दिलचस्प बातें भी शेयर की हैं। जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है।

मुनव्वर, आयशा और मन्नारा की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए नील ने कहा,मुझे नहीं लगता कि मुनव्वर की निजी जिंदगी को राष्ट्रीय टेलीविजन पर खींचना उचित था। मुनव्वर, मन्नारा और आयशा के बीच एक अछा संबंध है। आयशा और मुनव्वर का एक इतिहास है। मैंने मन्नारा को अलग-अलग मौकों पर यह भी बताया था कि उसके मन में मुनव्वर के लिए कुछ भावनाएं हैं, जिनसे उसने इनकार किया और जब सलमान सर ने पूछा तो उसने उन्हें स्वीकार कर लिया। यह पूछे जाने पर कि वह किसे बिग बॉस 17 का खिताब जीतते हुए देखते हैं, नील भट्ट ने कहा,अगर मुनव्वर या अभिषेक अपना तरीका सुधार लें तो शो जीत सकते हैं। नील ने विक्की जैन और अंकिता लोखंडे के खेल पर भी अपनी राय व्यक्त की मुझे नहीं लगता कि विक्की का खेल सही रास्ते पर है। विक्की स्थिति का बहुत शोषण करने वाला हो गया है। वे हमेशा लड़ाई लड़ने और उसे आगे बढ़ाने का सहारा लेता रहता है। शो में विक्की के लिए करने के लिए और कुछ नहीं बचा है। नील भट्ट ने ऐश्वर्या शर्मा के पूर्व जो भी कह रहे हैं वो सब बेबुनियाद है। उन्होंने इस विषय पर अधिक बात नहीं की। मौजूदा प्रतियोगियों की बात करें तो घर के अंदर अरोरा, अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, मुनव्वर फारुकी, ईशा मालविया, अभिषेक कुमार, आयशा खान, अनुराग डोभाल उर्फ यूके राइडर, मन्नारा चोपड़ा, अरुण महाशेट्टी, समर्थ जुरेल हैं।

बॉयफ्रेंड राहुल पंड्या के दावों पर प्रतिक्रिया दी है। नील ने कहा, राहुल

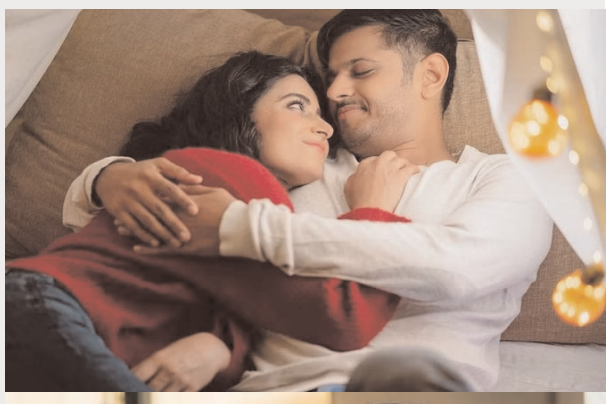

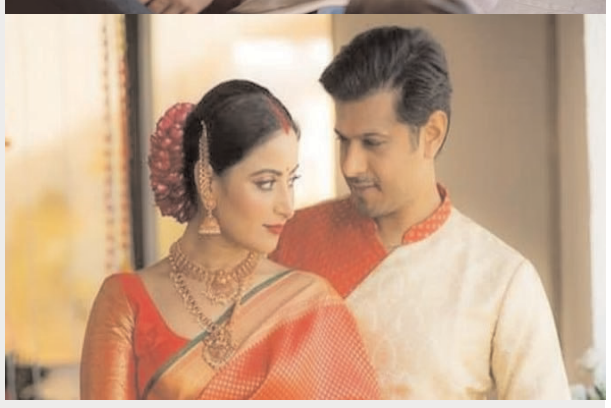

सिंगल कॉलम

भारतीय नौसेना में निकली आईटीआई पास युवाओं के लिए भर्ती, आज तक कर सकते हैं

भारतीय नौसेना आज, 1 जनवरी को नौसेना डॉकयार्ड, विशाखापत्तनम में ट्रेड अपरेंटिस की नियुक्ति के लिए आवेदन प्रक्रिया समाप्त करने वाली है। इससे पहले कि पंजीकरण विंडो बंद हो, अप्रेंटिसशिप के इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार आधिकारिक पोर्टल apprenticeshipindia.gov.in पर जाकर तुरंत अप्लाई कर दें। आवेदन का तरीका आगे बताया गया है।

कुल रिक्तियां- भर्ती अभियान का लक्ष्य विभिन्न ट्रेडों में अपरेंटिस के लिए कुल 275 रिक्तियों को भरना है। नौसेना अपरेंटिस भर्ती परीक्षा 28 फरवरी, 2024 को आयोजित होने वाली है। भर्ती परीक्षा का परिणाम संभावित रूप से 2 मार्च, 2024 को घोषित किया जाएगा।

पात्रता मापदंड आयु सीमा- कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के अनुसार प्रशिक्षुता प्रशिक्षण के लिए कोई ऊपरी आयु प्रतिबंध नहीं है। हालांकि, भूमिकाओं के लिए अर्हता प्राप्त करने के लिए उम्मीदवारों की आयु 14 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए और खतरनाक व्यवसायों के लिए न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष है। **शैक्षिक योग्यता**- उम्मीदवारों को न्यूनतम कुल 55% प्रतिशत के साथ एसएससी/मैट्रिक/एसटीडी एक्स या न्यूनतम 65% कुल प्रतिशत के साथ आईटीआई (एनसीवीटी/एससीवीटी) उत्तीर्ण होना चाहिए।

चयन प्रक्रिया उम्मीदवारों को मुख्य लिखित परीक्षा और शारीरिक साक्षात्कार और उसके बाद दस्तावेज सत्यापन चरण में उनके प्रदर्शन के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया जाएगा।

यूपी पुलिस खेल कोटा कॉन्स्टेबल भर्ती की अंतिम डेट बेहद नजदीक

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड (PPRPB) की ओर से कॉन्स्टेबल, कम्प्यूटर ऑपरेटर और एसआई सहित कई पदों पर भर्तियां निकाली गई हैं। इन्हीं में से एक भर्ती स्पोर्ट्स कोटा के तहत कॉन्स्टेबल के पदों के लिए थी। इस भर्ती के लिए आवदेन प्रकिन्रया 14 दिसंबर को शुरू हुई थी, जिसका कल आखिरी दिन है। इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट - uppbpb.gov.in पर जाकर इस भर्ती के लिए 1 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं।

कल है अंतिम तिथि

गौरतलब है कि पंजीकरण करने, आवेदन पत्र भरकर जमा करने और आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 1 जनवरी, 2024 है। लिहाजा इच्छुक उम्मीदवार समय रहते आवेदन कर दें।

रिक्ति विवरण

इस भर्ती अभियान का लक्ष्य स्पोर्ट्स कोटा के तहत यूपी पुलिस में कॉन्स्टेबल के कुल 546 पदों को भरना है, जिनमें से 350 रिक्तियां पुरुष उम्मीदवारों के लिए और 196 रिक्तियां महिलाओं के लिए हैं।

पात्रता मापदंड

इन पदों पर आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों की आयु 1 जुलाई, 2023 को 18 वर्ष से 22 वर्ष होनी चाहिए। इसके अलावा शैक्षणिक योग्यता में आवेदक का 12वीं पास होना जरूरी है।

चयन प्रकिन्रया

आवेदकों को 400 रुपये शुल्क का भुगतान करना होगा। उम्मीदवारों का चयन उनके आवेदनों की जांच, दस्तावेज सत्यापन, एक शारीरिक पात्रता परीक्षण/शारीरिक माप परीक्षण (पीईटी/पीएमटी) और एक खेल कौशल परीक्षण (प्रकृति में योग्यता) के आधार पर किया

जल्द कर्जमुक्त होना चाहते हैं, 2024 में अपनाएं ये पांच तरीके, वित्तीय रूप से मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली। नए साल यानी 2024 का आगाज हो गया है। आप इसकी शुरुआत अतीत की वित्तीय गलतियों से सबक लेकर भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करने से कर सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में से एक है कर्जमुक्त होकर वित्तीय रूप से सुरक्षित होना। अगर आप 2024 में अपनी वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए दृढ़ संकल्प हैं तो इन प्रभावी सुझावों पर अमल कर सकते हैं। ये न सिर्फ आपको कर्जमुक्त होने में मदद करेंगे बल्कि नए साल में आर्थिक रूप से मजबूत भी बनाएंगे। कर्ज-आय अनुपात बताता है कि किसी व्यक्ति की देनदारी की तुलना में

कमाई कितनी है। कर्ज नियंत्रण रणनीतियां लागू करने के लिए सबसे पहले डीटीआई अनुपात की गणना करें। इसमें हर माह जाने वाली कर्ज की किस्त को मासिक आय से विभाजित कर जान सकते हैं कि आपकी कमाई का कितना हिस्सा देनदारी पर खर्च होता है। डीटीआई का 15 फीसदी या कम होना बताता है, आय की तुलना में कर्ज प्रबंधनीय है। यानी समय पर भुगतान कर आप कर्ज को कुशलता से खत्म करने की राह पर हैं। 40 फीसदी से अधिक डीटीआई अनुपात को उच्च जोखिम वाला कर्ज माना जाता है। यह बताता है कि आपका कर्ज प्रबंधन बेहतर नहीं है व परेशानी का सबब बन सकता है। अपने कर्ज की वर्तमान स्थिति की जानकारी जरूर रखें।सबसे पहले तीन साल तक की अवधि वाले अल्पकालिक कर्जों के निपटान को प्राथमिकता दें। फिर, अपने दीर्घकालिक ऋणों को चुकाने पर ध्यान दें। ऋण समेकन में उच्च ब्याज दरों वाले कई कर्ज को कम दर पर एक ही ऋण में संयोजित किया जाता है।इससे पुनर्भुगतान प्रक्रिया सरल हो जाती है, जिससे ईएमआई व कुल ब्याज खर्च बचाने में मदद मिलती है। देनदारी घटाने की एक अन्य प्रभावी रणनीति है, वेतन वृद्धि या बोनस का इस्तेमाल।इस अतिरिक्त रकम से अल्पकालिक कर्ज भुगतान कर सकते हैं।ऐसा करने से आप होम लोन जैसे दीर्घकालिक कर्ज के प्रबंधन के लिए अपनी नियमित आय को मुक्त रख सकते हैं।

खेल/प्राणायाम/अरोग्य

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर ने टेस्ट के बाद वनडे क्रिकेट से भी लिया संन्यास

ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज (Australian opener) डेविड वार्नर (David Warner) ने अपने टेस्ट करियर के अंत के साथ-साथ एकदिवसीय क्रिकेट से भी संन्यास की घोषणा (Announcement of ODI cricket retirement) कर दी है, हालांकि अगर ऑस्ट्रेलिया को लगता है कि उन्हें उनकी जरूरत है तो उन्होंने 2025 चैंपियंस ट्रॉफी (2025 champions trophy) खेलने का दरवाजा अभी खुला रखा है। उन्होंने सोमवार को सिडनी में एक प्रेस काफ्रेंस में संन्यास की घोषणा करते हुए कहा, मैं निश्चित रूप से एकदिवसीय क्रिकेट से भी संन्यास ले रहा हूं।यह कुछ ऐसा था जो मैंने विश्व कप के दौरान कहा था, इसे पार करना और भारत में इसे जीतना, मुझे लगता है कि यह एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने आगे कहा, तो मैं आज उन फॉर्मों से संन्यास लेने का निर्णय लूंगा, जो मुझे दुनिया भर में कुछ अन्य लीगों में जाने और खेलने की अनुमति देता है और एक दिवसीय टीम को थोड़ा आगे बढ़ने में मदद करता है। मुझे पता है कि एक चैंपियंस है ट्रॉफी आ रही है। अगर मैं दो साल के समय में अच्छा क्रिकेट खेल रहा हूं और मैं आसपास हूं और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को जरूरत है, तो मैं उपलब्ध रहूंगा। इसका मतलब है कि अहमदाबाद में भारत के खिलाफ विश्व कप फाइनल उनका अंतिम वनडे था, जिसमें उन्होंने 22 शतकों के साथ 45.30 की औसत से 6932 रन बनाए। वह पुरुषों के एकदिवसीय मैचों में ऑस्ट्रेलिया के छठे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं और रिकी पोंटिंग के बाद शतकों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने वार्नर की तुलना में 205 अधिक एकदिवसीय पारियां खेली हैं। पहले से ही उम्मीद थी कि वार्नर अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में नहीं खेलेंगे ताकि वह दुबई कैपिटल्स के साथ अपना आईएलटी20 करार कर सकें। वह इससे पहले टी20ई मैचों से भी चूकने वाले हैं, लेकिन कम से कम जून में कैरेबियन और यूएसए में होने वाले विश्व कप तक उस प्रारूप में अपना करियर जारी रखना चाहते हैं। वह हर प्रारूप में शतक बनाने से एक मैच दूर हैं। नवंबर में एकदिवसीय विश्व कप के बाद, वार्नर ने 2027 तक आगे बढ़ने का संकेत दिया था, हालांकि तब तक वह 41 वर्ष के हो चुके होंगे और कहा था कि जिस तरह से टीम ने भारत में वापसी की थी, वह इसे आदर्श समापन बिंदु

पेट की चर्बी को कम करता है 'पवनमुक्तासन'

इंदौर प्राचीन काल से ही योग विज्ञान का अथाह अध्ययन होता रहा है। योग को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए जाना जाता है। नियमित योग अभ्यास के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ रही है। इन आसनों को दैनिक जीवन में शामिल करने से शरीर और दिमाग को कई लाभ मिलते हैं।

पवनमुक्तासन' क्रिया- कमर के बल लेट जाएँ और दोनों पैरों को घुटनों से मोड़कर छाती की ओर लें आएं। अब दोनों हाथों से घुटनों को कस कर पकड़ लें। साँस निकालकर हाथों से पैरों को पेट की ओर दबाएं। अब सिर उठाकर ठोड़ी को घुटनों के बीच लगा दें। सामान्य सांस के साथ आसन में रुकें रहें और पेट पर भरपूर दबाव पड़ने दें। यथाशक्ति रुकने के बाद धीरे से वापिस आ जाएँ । दो से तीन बार इसका अभ्यास कर लें।

पवनमुक्तासन क्या है? (पवन राहत मुद्रा)

पवनमुक्तासन, जैसा कि नाम से पता चलता है, एक योग आसन है जो गैस को रिलीज करने में मदद करता है। यह मुद्रा पेट और आंतों में फंसी अतिरिक्त हवा को बाहर

निकालने में मदद करती है। यह मुद्रा राहत प्रदान करती है और संपूर्ण पाचन तंत्र को स्थिर करती है। यह मानसिक स्थिति को संबोधित करने से लेकर गर्दन की मांसपेशियों, पेट, जांघों, हैमस्ट्रिंग और पैर की उंगलियों को आराम देने तक, शरीर को समग्र आधार पर ठीक करने का काम करता है। पवनमुक्तासन अभ्यास करने के लिए शारीरिक रूप से थका देने वाला या थका देने वाला आसन नहीं है। इस आसन को आप जितनी देर तक करेंगे, यह शरीर के लिए उतना ही फायदेमंद होगा। यह पाचन संबंधी विकारों को दूर करके शरीर के अपशिष्ट पदार्थों को सीधे बाहर निकालने का एक सरल तरीका है। मुद्रा में शामिल स्थितियां सही क्षेत्रों को फैलाने में भी मदद करती हैं, जिससे शरीर की सबसे सक्रिय मांसपेशियां ढीली हो जाती हैं।

ध्यान दें- यदि कमर या गर्दन दर्द होने पर सिर न उठायें। यदि एसीडिटी के कारण रिफ्लक्स होता हो तो इसका अभ्यास न करें।

फायदेमंद है : पेट की चर्बी कम कर मोटापा दूर करने वाला है। डायबटीज, कब्ज, गैस, एसिडिटी, अफारा, भूख न लगना आदि पेट के रोगों में सहायक है। हृदय और फेफड़ों को बल मिलता है। अस्थमा और सांस फूलना में आराम मिलता है। जिससे आमाशय, लिवर, पैंक्रियाज, छोटी व बड़ी आंत, मूत्राशय व किडनी को स्वस्थ बनाये रखता है। हर्निया और स्त्री रोगों में भी फायदेमंद है ।

ज़रूर अपनाएँ : पत्ती वाली चाय के स्थान पर ग्रीन टी का सेवन कीजिये।

खाने से आधा घंटा पहले एक गिलास पानी पीएं। खाने के बाद सिप करके एक कप गर्म पानी का सेवन करें ।

सर्दियों में डाइट में शामिल करें ये हरी पत्तेदार सब्जियां

बीमारियों से मिलेगी मुक्ति

सर्दियों में हरी पत्तेदार सब्जियां (green leafy vegetables) भरपूर मिलती हैं। इनमें मौजूद पोषक तत्व शरीर को मजबूत बनाते हैं। जीवनशैली (lifestyle) से जुड़े कई रोगों को दूर रखने में भी पत्तेदार सब्जियों की खासी भूमिका होती है, शोध कहते हैं कि हरी पत्तेदार सब्जियों में अन्य सब्जियों के मुकाबले दोगुनी मात्रा में पोषक तत्व (Nutrients) होते हैं। एक औसत वयस्क को प्रतिदिन ढाई कप हरी पत्तेदार सब्जियां खानी चाहिए। इनके नियमित सेवन से मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा व हृदय संबंधी (cardiac) रोगों से लड़ने में मदद मिलती है।

पालक- पालक(spinach) में मौजूद आयरन शरीर में लौह तत्व की कमी को पूरा करता है। कैल्शियम और विटामिन-ए जैसे पोषक तत्व भी इसमें भरपूर होते हैं। इसमें मौजूद बीटा-कैरोटीन, विटामिन-ए व सी कैंसर

कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं तथा मैक्यूलर डिजेनरेशन नामक आंखों के रोग के खतरे को कम करते हैं। विटामिन-के, फोलेट और ल्यूटिन जैसे पोषक तत्व दिमाग (Brain) के लिए अच्छे रहते हैं। इसमें मौजूद पेप्सिन (pepsin) नामक एन्जाइम और नाईट्रेट तत्व, बीपी और दिल के रोगों से बचाते हैं।

हरी प्याज इसे स्प्रिंग ऑनियन या आल की प्याज भी कहते हैं। यह आंखों की रोशनी (eyesight) और त्वचा की चमक बढ़ाने के साथ पाचन तंत्र को मजबूत रखता है। शोध बताते हैं कि हरी प्याज में रक्तचाप सामान्य करने और खून के थक्के बनने से रोकने का विशेष गुण होता है। इसमें कैल्शियम भी भरपूर होता है। ठंड से होने वाले जुकाम में भी ये राहत देता है। इसके एंटी-इन्फ्लामेट्री गुण अस्थमा और गठिया रोगों में लाभ पहुंचाते हैं। इसका एंटी-हाइपर-लिपिडेमिक गुण कोलेस्ट्रोल को ठीक करता है।

मेथी -मेथी में मौजूद प्रोटीन, कैल्शियम, मैग्निशियम, फोलिक एसिड, कार्बोहाइड्रेट, जिंक और कॉपर जैसे पोषक तत्व इसे सेहत के लिहाज से फायदेमंद बना देते हैं। जोड़ों और बदन के दर्द से लेकर मोटापे तक की समस्या में मेथी खाना फायदा पहुंचाता है। मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अपच जैसी समस्याओं में इससे राहत मिलती है।

बथुआ- आयरन, फास्फोरस, विटामिन-ए और डी के अलावा बथुए में बहुत से खनिज तत्व होते हैं। सर्दियों में इसका सेवन कब्ज दूर करने के साथ अपच, भूख न लगना और खट्टी डकार आना जैसी समस्याओं से निजात दिलाता है। यह आंतों व रक्त की सफाई भी करता है। बथुए का रस फोड़े-फुंसी व खुजली में आराम देता है। इसकी पत्तियों को कच्चा चबाने से सांस केदुर्गंध से राहत मिलती है।

सरसों- सरसों में फाइबर, कैल्शियम और प्रोटीन भरपूर होते हैं। इसका नियमित सेवन उच्च रक्तचाप के खतरे को कम करने के साथ रक्त संबंधी विकारों को भी दूर करता है। फाइबर खूब होने के कारण यह मेटाबॉलिज्म को तीव्र कर वजन को नियंत्रित रखता है। विटामिनों की कमी से हड्डियों में आयी कमजोरी इससे दूर हो जाती है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स कैंसर से लड़ने में प्रभावशाली होते हैं।

मूली- मूली भूख बढ़ाने के साथ पाचन तंत्र को भी ठीक रखती है। कैल्शियम, आयोडीन, मैग्निशियम, फास्फोरस और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी खूब होते हैं। गुर्दे से जुड़े विकारों एवं मूत्र रोगों में मूली खाने

शिक्षक बना स्वच्छता दूत, शिक्षक ने पेश की स्वच्छता की मिसाल

कटनी, कटनी जिले के रीठी विकासखंड के दूरस्थ ग्रामीण अंचल में स्थित नैगवां माध्यमिक स्कूल में पढ़ने वाले छात्र छात्राओ के लिए बना शौचालय को एक स्कूल के ही प्रभारी प्राचार्य अपने सहयोगी शिक्षको और अतिथि शिक्षकों के सहयोग से पूरे तन मन से जुट कर स्कूल के शौचालय को साफ करते हुए नजर आ रहे है। शौचालय के सीट पर जमे गंदगी को स्वयं शिक्षक साफ कर रहे है,ताकि स्कूल के बच्चों में सफाई के प्रति सन्देश दिया जा सके,दरअसल स्कूल के कुछ छात्राओं द्वारा गुटखा खाकर टॉयलेट की सीट को प्रतिदिन गन्दा किया जाता रहा और अनेको बार समझाइस देने के बाद भी यह सिलसिला बन्द नहीं हो रहा था न सफाई हों पा रही थी। तभी स्कूल प्रभारी प्राचार्य ने अपने सहयोगी शिक्षको के साथ खुद सफाई में जुट गए और इस मंजर को देख स्कूल के बच्चे शर्मसार और शर्मिन्दास होकर आगे आये और बच्चों ने संकल्प लिया कि अब आगे से हम लोग गुटखे का सेवन न करेंगे न ही शौचलय को गन्दा करेंगे। वही इस गंदगी को साफ करने का परिणाम ये हुआ कि स्कूल के छात्र छात्राएं एक गंदे आदत को छोड़ने संकल्पित हुए और स्कूल शिक्षको का यह अनूठा कार्य एक मिल का पत्थर साबित हुआ। मेरा संकल्प मैहर का समग्र विकास – श्रीकांत चतुर्वेदी विधायक मैहर

मैहर, श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई मैहर द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने अपने प्रखर अंदाज में कहा कि मैहर का समग्र विकास ही मेरा संकल्प है। विकास कार्यक्रमों को गति देने में कोई भी रोड़ा आड़े नहीं आ सकता। पत्रकारों को संबोधित करते हुए उन्होंने सकारात्मक पत्रकारिता की बात कही।

पत्रकारों ने सौंपा मांगपत्र– श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई मैहर ने तीन बिंदुओं का मांगपत्र भी विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी को सौंपा।

संघ की ओर से मांग की गई की मैहर में एक पत्रकार भवन हो। मां शारदा देवी मंदिर में कवरेज के लिए अथवा अपने परिवार के साथ गए पत्रकारों को नि:शुल्क प्रवेश की अनुमति हो और पत्रकार सुरक्षा कानून लागू हो ।

विधायक ने दिया भरोसा– इस अवसर पर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी ने पत्रकारों को भरोसा दिलाया कि उनके हित में वे सदैव उनके साथ हैं। समाज के सर्वांगीण विकास में पत्रकारों की भूमिका अहम होती है,ऐसे में उनका कोई अहित न हो,इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

ये रहे उपस्थित– इस अवसर पर जिला कार्यकारी अध्यक्ष मनोज मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष जवाहर संतानी,जिला महासचिव बद्री पाठक,सचिव सुनील दाहिया, संदीप पाण्डेय, राजेश सिंह, नफीस अहमद,दीपक बढ़ौलिया,रवि सोनी, रोहित रजक, सत्यप्रकाश कुशवाहा, उमेश चर्मकार, प्रकाश सोनी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय पत्रकार उपस्थित रहे।

सतना के ऊंचेहरा रहबर फुटबॉल क्लब टूर्नामेंट का सम्पन्न हुआ फाइनल मुकाबला

सतना, आज फुटबाल टूर्नामेंट का फाइनल मैच अमरपाटन और सोहावल के बीच दोपहर 2 बजे से रहबर ग्राउन्ड उचेहरा मे खेला गया जिसमे सोहावल ने एक – सून्य से जीत हासिल किया आज के फाइनल मैच मे मुख्य अतिथि की भूमिका मे माननीय श्री कृष्ण देव सिंह जू देव जी एवं विशिष्ट अतिथि माननीय लखन लाल ताम्रकार सी एम ओ साहब न. प. उचेहरा , ब्यापारी संघ उचेहरा से संतोष अग्रवाल जी , दिनेस पाण्डेय (कक्के), पार्षद श्रीमती मनोज कुमारी,शाहीन परवीन,रवि चौधरी, राजेन्द्र ताम्रकार, हाजी मो.उसमान एवं समस्त पार्षद गण मौजूद रहे। फुटबॉल टूर्नामेंट के अध्यक्ष आबिद भाई ने मुख्य अतिथि का बुके देकर एवम् हाजी मो. समीम ने बैच लगाकर स्वागत किया। उचेहरा नगर पंचायत के ष्ट.रू0 लखनलाल ताम्रकार जी का स्वागत नौशाद अली ने बूके एवम् बैच लगाकर स्वागत किया। ब्यापारी संघ के सदस्य श्री सन्तोष अग्रवाल जी का स्वागत मो.जावेद ने किया। श्रीमति किरन ताम्रकार जी का स्वागत वार्ड न013 के पार्षद रहबरी बी ने बैच एवं बुके देकर स्वागत किया।समापन समारोह के विशिष्ट अतिथि ने अपने उद्बोधन में कहा कि खिलाड़ी हमेशा अनुशासन के साथ रहता है और अपने जीवन में उच्च प्रदर्शन के बारे निखारता है जिससे कि वह मैच में 100 प्रतिशत परफार्मेंस दे सके। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री कृष्ण देव सिंह जुदेव जी ने अपने उद्बोधन में कहा

कि ऐसा फुटबॉल मैच देखकर हम सभी अत्यन्त खुशी है रही है कि उचेहरा नगर फुटबॉल का आयोजन अपने आप में एक नया आयाम स्थापित किया है यह खेल उचेहरा नगर के लिए एक ऐतिहासिक पल है हम ऐसे आयोजन कर्ताओं को बहुत बहुत बधाई और ये जिला स्तरीय से राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट अगले वर्ष उचेहरा सरजमीं में करायें गे। समापन समारोह का आभार आबिद भाई ने किया। कार्यक्रम का सफ़ल संचालन मोहम्मद आशिक क्रीड़ा अधिकारी शारदा महाविद्यालय सरला नगर के द्वारा किया गया । मोहम्मद आशिक एक महान खिलाड़ी के साथ-साथ का अच्छे आयोजक के लिए जाने जाते हैं। फुटबॉल टूर्नामेंट में मो.आसिफ जिम ट्रेनर उचेहरा,मो.जावेद. और नौशाद अली का सराहनीय योगदान रहा। कुशल नेतृत्व जनाब हाजी मो. कल्लू भाई का महत्व पूर्ण योगदान रहा। आज के फाइनल मैच मे दर्शकों का भरपूर सहयोग प्रदान हुआ।

पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह पूर्व कैबिनेट मंत्री का सिमरिया रेस्ट हाउस में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत... फल से किया गया तुलादान

पन्ना, मध्य प्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह का सिमरिया, अमानगंज सहित कई जगह जगह भव्य स्वागत किया गया फल से तुलादान कार्यक्रम एवं कार्यकर्ताओं ने माला पहनकर किया गया स्वागत वर्तमान पन्ना विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह का पवई विधानसभा में पूर्व से ही लोगों का लगाव इसलिए बरकरार बना हुआ है जैसे ही सूचना प्राप्त हुई की भोपाल से पन्ना पहुंच रहे हैं वैसे ही कार्यकर्ताओं द्वारा जगह-जगह स्वागत किया गया और भारतीय जनता पार्टी की जिले में तीनों विधानसभा मैं भारतीय जनता पार्टी के विधायक है कार्यकर्ताओं की मेहनत के कारण लोगों का इसलिए से भारतीय जनता पार्टी को जीत प्राप्त हुई है पन्ना जिला विकास से पीछे नहीं रहेगा.

बड़वानी, अंजड़ नगर के पुराने मटन मार्केट के श्रमिक पानी के हालव के पास नाले के श्रमिक गंदगी फैली हुई रहती है और भोगली नदी में भी नाले में गंदगी रहती है और रवासियों द्वारा नगर पालिका में आवेदन दिया गया और आवेदन देने को 12 दिन हो गए उसके बाद भी नगर पालिका की आंखें नहीं खुली रहवासी गंदगी का सामना कर रहे एवं छोटे बच्चे रहते हैं और पास में देवी अहिल्याबाई की मूर्ति बनी हुई है एवं सामने मस्जिद भी है हालव पर पशुओं का पानी पीने का जमावड़ा लगा रहता है एवं भोगली नदी को एक साल हो गया है नाले को साफ करे हुए को इसकी और सीएमओ का ध्यान नहीं जाता है एवं अध्यक्ष का भी ध्यान नहीं जाता है एक तरफ नरेंद्र मोदी का स्वस्थ भारत सुंदर भारत का अभियान चल रहा है और अंजड़ नगर परिषद में स्वच्छ भारत सुंदर भारत का कहीं नजर नहीं आ रहा अंजड़ नगर परिषद द्वारा साफ सफाई नहीं हो पा रही है नगर वासी इसके कारण परेशान है शहर के बीचों बीच भोगली नदी जो शहर का गंदा पानी जाता है नगर परिषद द्वारा उसे साफ-सफाई नहीं कर पा रहा है

नए साल में बदला-बदला दिखेगा मां का आंगन

मां राजराजेश्वरी मंदिर में शुरू हुआ डोम निर्माण का काम

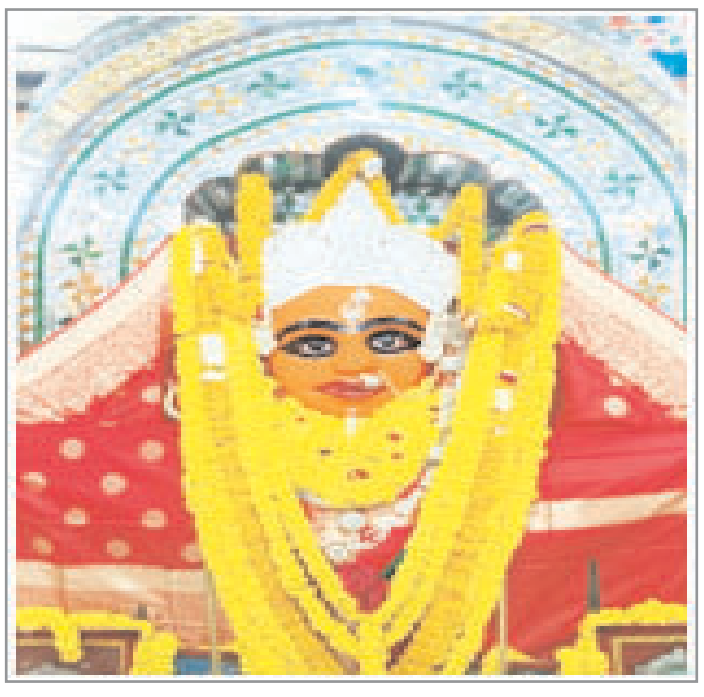

शाजापुर, नगर के प्रसिद्ध मां राजराजेश्वरी मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए डोम निर्माण का काम पुनः प्रारंभ हो चुका है। आगामी नवरात्रि पर्व में श्रद्धालुओं को मां के आंगन में डोम की सुविधा मिलेगी, जिससे परिसर का नजारा बदला-बदला दिखेगा।

गौरतलब है कि नगर के प्राचीन मां राजराजेश्वरी माता मंदिर परिसर के डोम निर्माण में लगातार परेशानियां सामने आती गई। गत वर्ष नवरात्रि में डोम का निर्माण पूर्ण होना था, लेकिन कभी ठेकेदार बदलने के कारण काम अटका तो कभी अन्य कारणों से काम बंद रहा। कुछ समय पहले डोम की निर्माण एजेंसी आरईएस द्वारा ठेकेदार को नोटिस दिया गया था कि उसने गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं किया। डोम के लिए बनाए गए सीमेंट के गटर बीम को तोड़कर पुनः निर्माण करें, इस कारण मामला उलझ गया था। आरईएस अधिकारी द्वारा दिए गए नोटिस के बाद यहां हुए निर्माण की जांच के लिए टीम को बुलाया गया। टीम ने डोम के लिए बनाए गए पीलरों सहित बीम की जांच के लिए सेम्पल लिए। सेम्पल रिपोर्ट सही आने पर जिला प्रशासन द्वारा यहां समस्त सुविधाएं देते हुए डोम का निर्माण प्रारंभ करने के निर्देश दिए। अब मंदिर परिसर में पुनः काम शुरू हो गया है। मंदिर समिति के पं. आशीष नागर ने बताया कि मशीन आ चुकी है जिससे चद्दर निर्माण का काम शुरू हो चुका है जो चार से पांच दिन में पूरी तरह तैयार हो जाएगा। इसके बाद पिल्लरों का प्लास्टर, साजसज्जा, रंग रोगन सहित अन्य काम भी जल्द ही पूर्ण हो जाएगा। उन्होंने बताया कि आगामी नवरात्रि पर्व में श्रद्धालुओं को डोम की सुविधा मिल जाएगी।

दर्षन मात्र से पूर्ण होती है मनोकामनाएं

प्रसिद्ध मां राजराजेश्वरी का मंदिर नगर के चंद्रभागा नदी तट पर स्थित है। चंद्राकार स्थान में श्मशान होने से इसकी महत्वता और बढ़ गई है। खासकर तंत्र-मंत्र की सिद्धि के लिए मंदिर की प्रसिद्धि दूर-दूर तक है। स्कंद पुराण में इसे शक्तिपीठ बताया गया है। मान्यता है कि शक्तिपीठ के दर्शन मात्र से ही लोगों की मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। मां राजराजेश्वरी मंदिर देश के प्रमुख देवी मंदिरों में से एक है। नवरात्रि प्रारंभ होते ही यहां अनेक तांत्रिक आकर साधना में जुट जाते हैं। नदी के दूसरे किनारे श्मशान है, इसलिए यह स्थान तंत्र क्रियाएं सिद्ध करने वालों के लिए विशेष माना जाता है। देशभर से यहां तांत्रिक आते हैं। मंदिर के विस्तार के दौरान की गई खुदाई में माता का चरण, चिमटा व त्रिशूल मिलने से लोगों की आस्था और बढ़ गई थी। स्कंद पुराण में मां राजराजेश्वरी मंदिर को शक्तिपीठ बताया गया है, इसके दर्शन मात्र से ही लोगों की मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। विश्व के 51 स्थानों पर शक्तिपीठ मंदिर स्थापित हैं। ऐसी मान्यता है कि हवन की आग में झुलसी मां सती को लेकर घूमते समय उनके एक-एक अंग गिरते रहे। इसी दौरान शाजापुर में मां का दाहिना पांव गिरा था, जो आज भी मंदिर के गर्भगृह में है।

53 साल से जल रही अखंड ज्योत

शक्ति पीठ मां राजराजेश्वरी मंदिर में पिछले 53 साल से अखंड ज्योत जल रही है। पं. नागर ने बताया कि स्थापित मां की प्रतिमा दिन में तीन बार अपना रूप बदलती है। पूर्व में यहां आरती के समय शेर भी आकर मां के दरबार में हाजरी लगाता था, जिसके कारण हवनकुंड के स्थान पर शेर की प्रतिमा स्थापित की गई.

सिंगल कॉलम

विदेश से लौटते ही सोनिया गांधी को अरहर की दाल' और 'चावल खाना पसंद

नई दिल्ली- कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी विदेश से लौटते ही एक व्यंजन खाना जरूर पसंद करती हैं और वह है 'अरहर की दाल' और 'चावल'। नये साल की पूर्व संध्या पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के यूट्यूब चैनल पर जारी एक वीडियो में सोनिया गांधी ने अपने खाने की पसंद को साझा किया। वीडियो में दोनों नेता संतरे का मुरब्बा (जैम) बनाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में राहुल कहते हैं कि यह उनकी बहन प्रियंका की रेसिपी है। 'मां, यादें और मुरब्बा' शीर्षक वाले वीडियो में दोनों मां-बेटा सोनिया और राहुल गांधी भोजन के बारे में हल्का-फुल्का मजाक भी करते नजर आ रहे हैं। मुरब्बा बनाते समय राहुल गांधी कहते हैं, ''यदि भाजपा वालों को जैम लेना है तो वे भी ले सकते हैं। आप क्या कहती हैं मम्मी?'' इस पर सोनिया गांधी ने चुटकी लेते हुए कहा, ''वे इसे हम पर वापस फेंक देंगे।'' इसके बाद राहुल हंसने लगे और उन्होंने कहा, ''यह अच्छा है, हम इसे फिर से उठा सकते हैं।'' वीडियो में राहुल गांधी ने संतरे तोड़ने से लेकर उन्हें छीलने और इससे मुरब्बा तैयार करने की रेसिपी के बारे में विस्तार से बताया है। गांधी वीडियो में कहते सुनाई देते हैं, ''यह मेरी बहन प्रियंका की रेसिपी है। प्रियंका ने ही इस रेसिपी को ढूंढा और उसमें सुधार किया। मैं बस इसे बना रहा हूं ।'' पांच मिनट से अधिक के इस वीडियो में सोनिया ने कहा, ''वह (राहुल) जिद्दी है, मैं भी जिद्दी हूं। हम दोनों जिद्दी हैं। तो आप समझ ही सकते हैं।'' उनके (राहुल) बारे में उन्हें (सोनिया) क्या पसंद है, इस पर सोनिया गांधी ने, ''वह बहुत प्यारा है, बहुत ख्याल रखता है। खासकर जब मैं ठीक नहीं होती, तो राहुल और प्रियंका दोनों मेरा ख्याल रखते हैं।'' घर में सबसे अच्छा खाना कौन बनाता है, इस पर राहुल कहते हैं कि वह उनकी नानी यानि सोनिया गांधी की मां थीं, जिन्होंने गांधी परिवार के कश्मीरी रिश्तेदारों से कई व्यंजन सीखे। भोजन की पसंद नापसंद के बारे में बात करते हुए, सोनिया गांधी ने कहा, ''जब कोई भारतीय व्यक्ति विदेश जाता है, मैं आज की बात नहीं कर रही हूं क्योंकि अब वहां हर जगह भारतीय रेस्तरां हैंज आप ब्रिटेन और अन्य जगहों के खानपान से तालमेल नहीं बिठा सकते। उसी प्रकार, जब मैं यहां आई तो मुझे तालमेल बिठाने में समय लगा।'' सोनिया ने कहा, ''मुझे भारतीय स्वादों विशेषकर मिर्च और हरे धनिये के साथ तालमेल बिठाने में समय लगा।'' सोनिया ने कहा कि उन्हें 'हरा धनिया' पसंद नहीं था, जिस पर राहुल चुटकी लेते हुए कहते हैं लेकिन अब उन्हें यह बहुत पसंद है। राहुल ने कहा कि उन्हें (सोनिया) अचार भी पसंद नहीं था लेकिन अब उन्हें अचार बहुत पसंद है। सोनिया गांधी ने कहा, ''इसमें मुझे थोड़ा समय लगा लेकिन अब मुझे वास्तव में ये पसंद है। अब जब भी मैं विदेश से आती हूं तो सबसे पहली चीज जो मुझे चाहिए वह है अरहर की दाल और चावल।'' वीडियो में, राहुल गांधी इस बारे में भी बात करते हैं कि कैसे महात्मा गांधी के पास भोजन के बारे में एक विशेष दृष्टिकोण था और पौष्टिक खानपान को लेकर उनके पास ज्ञान का खजाना था। उन्होंने कहा, ''मेरे भी पौष्टिक खानपान को लेकर अपने विचार हैं जो गांधी जी से थोड़े अलग हैं।'' इस वीडियो के अंत में दोनों को कांच के मर्तबान में मुरब्बा भरते देखा जा सकता है। इन मर्तबान पर टैग लगे हैं, जिन पर लिखा है- ''विद लव, फ्रॉम सोनिया एंड राहुल।'' इन्हें मित्रों और परिजनों को भेजने के लिए तैयार किया गया है।

नक्सलियों के खात्मे के लिए तीन हजार जवान छत्तीसगढ़ भेजे जाएंगे

नेशनल डेस्क- माओवादियों के अंतिम गढ़ में उनके खिलाफ सुरक्षा बलों का अभियान तेज होगा। इस रणनीति के तहत सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 3 बटालियंस (करीब 3,000 जवान) को ओडिशा से छत्तीसगढ़ भेजा जाएगा। वहीं, भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की भी इतनी ही इकाइयों को छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के गढ़ कहे जाने वाले अबूझमाड़ के भीतरी इलाकों में तैनात किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों कहा था कि सुरक्षा बल वामपंथी उग्रवादके खिलाफ आखिरी प्रहार कर रहे हैं। अबूझमाड़- 237 गांवों में 35 हजार लोग, यहां अभी बेस नहीं छत्तीसगढ़ के नारायणपुर, राजनांदगांव और कोंडागांव में अभी आईटीबीपी की 8 बटालियन हैं।

आईटीबीपी को अबूझमाड़ के और भीतरी इलाके में एक इकाई भेजने के लिए कहा गया है। नारायणपुर नक्सल कैडर का गढ़ है। अबूझमाड़ के 237 गांवों में 35 हजार लोग रहते हैं। अभी यहां कोई स्थायी केंद्रीय या राज्य पुलिस बेस नहीं है। बस्तर: सीओबी बनने से नक्सल कॉरिडोर बंद होगा

नए साल पर हमास ने इस्राइल पर दागे 20 से ज्यादा रॉकेट

आयरन डोम ने हवा में किया ध्वस्त

इस्राइल और हमास के बीच संघर्ष भी नए साल में प्रवेश कर गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024 की शुरुआत में फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास ने दक्षिणी और मध्य इस्राइल पर 20 से अधिक रॉकेट दागे गए। हालांकि, इस्राइल की मिसाइल रक्षा प्रणाली आयरन डोम ने अधिकांश रॉकेट को आसमान में ही रोक नष्ट कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी इस्राइल पर रॉकेट हमलों के बाद अशदोद, सेडरोट और अन्य शहरों के साथ-साथ रेहोवोट, नेस ज़िओना, होलोन, लोद और मोदीइन सहित कई स्थानों पर सायरन की आवाज सुनाई दी। फिलहाल, हमास के ताजा हमलों में किसी के हतहात होने की सूचना नहीं है। इधर, इस्राइल के कब्जे वाले फलस्तीनी क्षेत्र रामल्ला में नए साल के मौके पर लोगों ने गाजा के साथ एकजुटता दिखाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया। रामल्ला के निवासी नए साल की पूर्व संध्या पर सड़कों पर उतरे और गाजा के लोगों के समर्थन में मार्च निकाला। प्रदर्शनकारियों ने गाजा में मारे गए लगभग 8,000 लोगों की सूची भी प्रदर्शित की।

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले बढ़ाई गई सुरक्षा, 1.89 लाख पुलिसकर्मी किए तैनात

ढाका- बांग्लादेश ने सात जनवरी को होने वाले आम चुनाव से पहले कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 1.89 लाख से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने घोषणा की है कि वह चुनाव का बहिष्कार करेगी। 'द डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में, देश के पुलिस बल में सिविल स्टाफ सहित लगभग 2.13 लाख कर्मचारी हैं। पुलिस मुख्यालय में उपमहानिरीक्षक अनवर हुसैन के हवाले से अखबार ने कहा कि देशभर में कुल 1,89,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। 'बीडीन्यूज 24% के समाचार पोर्टल के मुताबिक, 1,74,000 पुलिसकर्मी बिना छुट्टी के चुनाव ड्यूटी पर रहेंगे, जबकि बाकी 15,000 पुलिसकर्मी नियमित काम में लगेंगे। हुसैन ने समाचार पोर्टल को बताया कि हिंसा या अनियमितताओं की आशंका वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। बीमार पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने 29 अक्टूबर से कई बार देशव्यापी हड़ताल की है और सड़कों पर जाम लगाया है। सरकार द्वारा मतदान कराने के लिए अंतरिम गैर-पार्टी तटस्थ सरकार की मांग को खारिज किए जाने के बाद बीएनपी आम चुनाव का बहिष्कार कर रही है। मीडिया के आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो महीनों में राजनीतिक हिंसा में 11 लोगों की मौत हो गई और 386 वाहनों

को आग लगा दी गई। पुलिस ने हिंसा के आरोप में हजारों विपक्षी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है जिनमें बीएनपी नेता और पार्टी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर भी शामिल हैं। बीएनपी ने वर्ष 2014 के आम चुनाव का भी बहिष्कार किया था, लेकिन 2018 के आम चुनाव में हिस्सा लिया था। अमेरिका और अन्य प्रमुख पश्चिमी देशों ने समावेशी और विश्वसनीय चुनाव सुनिश्चित करने के लिए सत्तारूढ़ अवामी लीग और विपक्ष के बीच बातचीत का आह्वान किया था, हालांकि दोनों पक्षों की अनिच्छा के कारण कोई प्रगति नहीं हुई। बीएनपी द्वारा चुनाव का बहिष्कार किए जाने और कोई अन्य विश्वसनीय विपक्षी दल नहीं होने के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को बढ़त मिलने की संभावना है और वह लगातार चौथी बार सरकार बना सकती हैं। हसीना (76) देश में प्रधानमंत्री पद पर सबसे अधिक समय से आसीन हैं। प्रधानमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल वर्ष 1996 से 2001 तक था, लेकिन इसके बाद वह लगातार तीन बार-2009 से 2014, 2014 से 2019 और 2019 से अब तक प्रधानमंत्री के पद पर आसीन हैं।

नए साल के संबोधन में राष्ट्रपति शी ने दिया सख्त संदेश

ताइवान को चीन के साथ मिलाने का किया आह्वान

ताइवान में 13 जनवरी को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले, राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रविवार को अपने नए साल के उपलक्ष्य में संबोधन दिया । उन्होंने सख्त संदेश देते हुए कहा कि ताइवान को चीन के साथ फिर से एकीकृत किया जाएगा। इसमें बताया गया कि चीन और ताइवान के बीच तनाव बरकरार है, शी ने बार-बार चीन के रुख की पुष्टि की है कि ताइवान चीन का हिस्सा है और यदि आवश्यक हो तो बलपूर्वक इसे फिर से एकीकृत किया जाना चाहिए। शी ने रविवार के संबोधन में कहा, %ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों किनारों पर सभी चीनियों को उद्देश्य की सामान्य भावना से बंधा होना चाहिए। चीनी राष्ट्र के कायाकल्प की महिमा में हिस्सा लेना चाहिए।मातृभूमि? निश्चित रूप से फिर से एकजुट होगी यह भाषण कुछ ही दिनों में दूसरी बार था जब शी ने ताइवान मुद्दे को संबोधित किया। शी ने मंगलवार को कम्युनिस्ट चीन के संस्थापक माओत्से तुंग के जन्म की 130वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बीजिंग में एक संगोष्ठी के दौरान ताइवान को फिर से एकजुट करने की भी कसम खाई। कार्यक्रम में शी ने कहा, %मातृभूमि का पूर्ण एकीकरण एक अप्रतिरोध्य प्रवृत्ति है। उन्होंने कहा कि चीन दोनों पक्षों को %किसी को भी विभाजित होने से दृढ़तापूर्वक रोकेगा। इस बीच, ताइवान में, निवासी चुनाव के लिए तैयारी कर रहे हैं। वर्तमान जनमत सर्वेक्षणों से पता चलता है कि निवासी स्वतंत्रता-झुकाव वाले उम्मीदवार लाई चिंग-ते के पक्ष में हैं। चीनी सरकार से संवाद करने के लिए तैयार हैं उपराष्ट्रपति सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पीपुल्स पार्टी से सबसे आगे चल रहे और वर्तमान में ताइवान के उपराष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने शनिवार को एक टेलीविजन बहस में कहा कि वह चीन में सरकार के साथ संवाद करने के लिए तैयार हैं, जिसने उनसे या राष्ट्रपति त्साई इंग के साथ बात करने से इनकार कर दिया है। बता दें कि बीजिंग अधिक चीन-अनुकूल राष्ट्रवादी, या कुओमितांग, पार्टी के उम्मीदवार का समर्थन करता है। उसने लाई और त्साई की अलगाववादी के रूप में आलोचना की है और उन पर ताइवान पर चीनी हमले को भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। इससे पहले, चीनी नेता शी जिनपिंग ने दावा किया है कि चीन के साथ ताइवान का पुनः एकीकरण अपरिहार्य है, जो अगले महीने ताइवान में होने वाले महत्वपूर्ण चुनाव से पहले बीजिंग के दीर्घकालिक रुख पर जोर देता है। उन्होंने ये टिप्पणी पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के संस्थापक माओत्से तुंग के जन्म की 130वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक संबोधन के दौरान की थी।

बाबा जगन्नाथ के भक्तों के लिए खुशखबरी

नववर्ष पर रात एक बजे से ही खुल जाएंगे मंदिर के कपाट

पुरी: ओडिशा के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर के कपाट नववर्ष पर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ के मद्देनजर देर रात एक बजे ही भक्तों के लिए खोल दिए जाएंगे। जिला कलेक्टर समर्थ वर्मा ने बताया कि यह निर्णय लिया गया कि मंदिर के अनुष्ठान रविवार को समय पर पूरे किए जाएंगे ताकि रात 11 बजे कपाट बंद कर दिए जाएं और दो घंटे बाद एक बजे फिर से खोले जा सकें। हर साल एक जनवरी को लाखों भक्त भगवान जगन्नाथ, उनके भड़े भाई भगवान बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा का आशीर्वाद लेने के लिए मंदिर आते हैं। जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक रंजन दास ने कहा, '' हमें

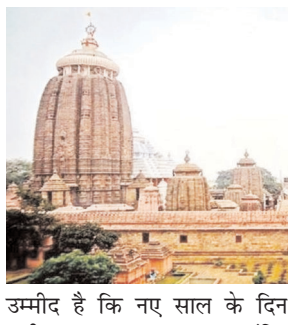

उम्मीद है कि नए साल के दिन करीब 3-4 लाख श्रद्धालु मंदिर आएंगे। अतिरिक्त उत्साह इसलिए भी है क्योंकि लोग विरासत गलियारा परियोजना के कारण मंदिर के पुनर्निर्मित परिवेश का अनुभव करना चाहते हैं, जो लगभग पूरा हो चुका है और 17 जनवरी को इसका उद्घाटन किया जाएगा।

गाजा से हजारों सैनिकों को वापस बुलाएगी इस्राइली सेना

इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने गाजा में जमीनी सैन्य अभियान शामिल हजारों सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया है। आईडीएफ ने रविवार को कहना है कि गाजा में जमीनी आक्रमण में भाग लेने वाली पांच लड़ाकू ब्रिगेड को वापस लिया जाएगा, ताकि सैनिक आगे की लड़ाई के लिए खुद को मजबूत कर सकें। वहीं, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में मध्य गाजा में इस्राइली सेना के हमलों में 150 फलस्तीनियों की मौत हो गई, जबकि 286 लोग घायल हुए। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कुछ आरक्षित सैनिक इस सप्ताह ही अपने परिवारों और नौकरियों में लौट आएंगे। इससे अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण राहत मिलेगी और उन्हें नए साल में आने वाली गतिविधियों से पहले ताकत इकट्ठा करने की अनुमति मिलेगी, और लड़ाई जारी रहेगी और हमें उनकी आवश्यकता होगी। हगारी ने कहा कि गाजा में हमास की सुरंगों को नष्ट करने का काम जारी है। गाजा से इस्राइल की ओर दागे गए रॉकेट की तीव्रता को कम करने पर भी काम हो रहा है। इस्राइली सेना और हमास की दराज बटालियन में भीषण संघर्ष इस्राइल ने मध्य गाजा पर हमले तेज कर दिए हैं। अल-मगाजी व अल-बुरेइज आदि शहरों पर रातभर हवाई हमले हुए। रेड क्रेसेंट की तरफ से रविवार को साझा किए गए एक वीडियो में इस्राइली हमले के बाद अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दे रहा है। एक बचावकर्मी मलबे से उठ रहे धुएं के बीच एक जख्मी बच्चे को निकाल रह है। उधर, गाजा सिटी में इस्राइली सेना व हमास की दराज तुफ्फाह बटालियन के बीच भीषण संघर्ष की सूचना है। एजेंसी विस्थापितों को राफा में शरण इस्राइल के ताजा हमले के बाद विस्थापित फलस्तीनियों को दक्षिणी गाजा पट्टी के राफा में शरण दी गई है। कई वाहनों से विस्थापितों को राफा में बनाए गए शिविर में ले जाया गया। नेतन्याहू ने कहा, अभी कई महीनों तक जारी रहेगा युद्ध इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मिस्र से सटी गाजा पट्टी सीमा पर फिर से कब्जा हासिल करने का संकल्प लिया। संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा, युद्ध चरम पर है। युद्ध अभी लंबा चलेगा। इसे खत्म होने में कई महीने लग सकते हैं। उन्होंने कहा कि मिस्र के साथ गाजा सीमा पर चलने वाला फिलाडेल्फिया कॉरिडोर बफर जोन इस्राइल के नियंत्रण में होना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569